राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 330 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने किया उम्मीदवारों का एलान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने द्विवार्षिक चुनावों के लिए तीन नामों की घोषणा की है। इनमें गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और शत शर्मा शामिल हैं। पूरे दिन पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा का इंतजार करते रहे। देर रात तक भी सूची जारी नहीं हुई, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि रविवार को किसी भी हाल में नामों की घोषणा की जाएगी, क्योंकि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार निर्धारित है।

मणिपुर में आठ महीने से लागू राष्ट्रपति शासन जल्द होगा खत्म

इंफाल। दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद इंफाल लौटे पांच भाजपा विधायकों ने मणिपुर में जल्द सरकार के गठन की उम्मीद जताई। मणिपुर में पिछले 8 महीनों से राष्ट्रपति शासन लागू है। मणिपुर के लगभग 26 भाजपा विधायक पिछले हफ्ते और इस हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली गए थे ताकि पार्टी के केंद्रीय नेताओं से मिलकर राज्य में जल्द से जल्द एक लोकप्रिय सरकार बनाने का आग्रह कर सकें। इसमें से पांच भाजपा विधायक शनिवार को मणिपुर लौट आए, लेकिन ज्यादातर विधायक अभी भी दिल्ली में हैं।विधायकों में पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह, पूर्व मंत्री थोंगम बिस्वजीत सिंह, सपम रंजन सिंह, हेइखम डिंगो, युमखाम खेमचंद, कोंथौजम गोविंदास और विधायक करम श्याम शामिल हैं। विधायकों ने दिल्ली में भाजपा के उत्तर-पूर्व प्रभारी और लोकसभा सांसद संबित पात्रा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष के साथ बैठक की। विधायक करम श्याम ने कहा कि संबित पात्रा और बीएल संतोष ने उन्हें निर्वाचित सरकार बहाल करने के प्रति सकारात्मक इरादे का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हालिया चर्चाओं में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की स्पष्ट चिंता और प्रतिबद्धता झलकती है।

तेज रफ्तार कार रोड रोलर से टकराई, कांग्रेस नेता के बेटे समेत चार लोगों की मौत

सोनीपत। जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर मध्यरात्रि भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। हादसा सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार सड़क निर्माण कार्य में लगे रोड रोलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। चारों युवक हरियाणा के रोहतक जिले के गांव घिलौड़ के रहने वाले थे।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले-युद्ध खत्म हुआ

हमास ने सभी जीवित इजरायली बंधकों को किया गया रिहा

नई दिल्ली। एजेंसी

इजरायल और हमास के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद सोमवार को हमास ने सभी 20 बंधकों को रिहा कर दिया। इसके एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को धन्यवाद कहा और इसे मिडिल ईस्ट के लिए एक नया सवेरा बताया। इजरायल और हमास के बीच शांति समझौता और फिर बंधकों की रिहाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र इसका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि करीब दो साल बाद बंधकों को रिहा करने का कदम स्वागत योग्य है। पीएम मोदी ने ट्रंप का इस मामले पर समर्थन भी जताया है। बता दें, इजरायल की संसद पहुंचे डोनल्ड ट्रंप ने गाजा में दो साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को खत्म करने के लिए सीजफायर समझौता कराने में नेतन्याहू के शानदार काम की सराहना की और इसे नए मिडिल ईस्ट की एतिहासिक सुबह बताया। सीजफायर समझौते की मध्यस्थता करने वाले ट्रंप ने कहा कि बचे हुए 20 इजरायली बंधकों की रिहाई लंबे वक्त से संघर्ष से ग्रस्त इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने यरूशलम में उत्साहित नेसेट के सदस्यों से कहा, बंधक वापस आ गए हैं। यह कहते हुए बहुत अच्छा लग रहा है। आने वाली पीढ़ियों को यह उस पल के रूप में याद रहेगा, जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ और बहुत बेहतरी के लिए। बता दें, अमेरिका की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत हमास ने बचे हुए 20 बंधकों को रिहा कर दिया, जबकि इजरायल ने दर्जनों फ़लिस्तीनी कैदियों

और बंदियों को रिहा कर दिया। इजरायली सेना ने पुष्टि की कि रेड क्रॉस द्वारा गाजा से सभी बंदियों को स्थानांतरित करने के बाद उन्हें वापस ले लिया गया है, जिससे तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर में जश्न का माहौल बन गया है। एक मिस्र के अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इज़राइल द्वारा रिहा किए गए 154 फ़िलिस्तीनी कैदियों को मिस्र भेज दिया गया है। ये कैदी उन 1,900 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनियों में शामिल हैं जिन्हें इज़राइल ने हमास द्वारा अपने शेष बंधकों की रिहाई के बदले रिहा किया है। इस अधिकारी ने, जो इस समझौते के कार्यान्वयन की प्रत्यक्ष जानकारी रखते हैं, बताया कि रिहा किए गए कैदियों को इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के तहत तीसरे देशों में भेजा जाना था। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर यह बात कही क्योंकि उन्हें मीडिया को जानकारी देने का अधिकार नहीं था। इस बीच, अन्य फ़िलिस्तीनी कैदी अपनी रिहाई के बाद गाज़ा पहुँच गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इज़राइली संसद को संबोधित करते हुए गाज़ा में हाल ही में हुए युद्धविराम की सराहना करते हुए कहा कि फ़िलिस्तीनी लोगों को आतंकवाद और हिंसा से दूर रहने का विकल्प चुनना चाहिए। उन्होंने कहा फ़िलिस्तीनियों के लिए विकल्प इससे ज़्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। यह उनके लिए आतंक और हिंसा के रास्ते से हमेशा के लिए हटने का मौका है।

पीएम मोदी ने ट्रंप की कोशिशों को सराहा, नेतन्याहू को भी दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमास द्वारा इस्राइली बंधकों की रिहाई पर खुशी जताते हुए डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों की सराहना की। साथ ही इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बधाई भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह आजादी उनके परिवारों की हिम्मत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति के लिए ईमानदार कोशिशों और इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मजबूत इच्छाशक्ति को समर्पित है। पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप के प्रयासों का समर्थन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइली संसद में कहा कि अगर हमें युद्ध करना पड़ा, तो हम इसे इस तरह जीतेंगे जैसे किसी ने पहले कभी नहीं जीता। हम राजनीतिक रूप से सही होने की चिंता नहीं करेंगे।

सुप्रीम ने खारिज की याचिका

वोट चोरी वाले आरोपों की नहीं होगी एसआईटी जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा कई चुनावों में मतदाता सूची में विसंगतियों के आरोपों की विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने की माँग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क कर सकता है। हालाँकि याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि शीर्ष चुनाव निकाय ने उसके समक्ष याचिका प्रस्तुत किए जाने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया, कथित तौर पर जनहित में दायर की गई रिट याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने कहा, याचिकाकर्ता उपलब्ध वैकल्पिक उपायों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस से मुलाकात की।

जन सुराज ने उतारे 65 और उम्मीदवार

बिहार में जातीय समीकरण साधने की कोशिश-प्रशांत

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी ने सोमवार को बिहार चुनाव के लिए 65 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। हालांकि, किशोर का नाम इस सूची से गायब था। प्रशांत किशोर को लेकर चर्चा है कि वह राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ राघोपुर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी ने कमलेश पासवान को हरनौत से उम्मीदवार बनाया है, जो लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गढ़ माना जाता रहा है, हालाँकि उन्होंने पिछले तीन दशकों से वहाँ कोई विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। नई सूची में 20 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों (19 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति के लिए) और 46 अनारक्षित सीटों के लिए उम्मीदवार शामिल हैं। पार्टी ने घोषणा की कि सूची में 14 अति पिछड़ा वर्ग (10 हिंदू और 4 मुस्लिम), 10 अन्य पिछड़ा वर्ग, 11 आरक्षित वर्ग और 14 अल्पसंख्यक समुदायों के उम्मीदवार शामिल हैं।

बीजेपी का लालू परिवार पर तंज

घोटाला, ज़मीन हड़पो, मॉडल है आरजेडी का शासन-रविशंकर

नई दिल्ली/ एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को राजद पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घोटाले, सरकारी ठेके देने में हेराफेरी और नौकरी का वादा करके लोगों की ज़मीन हड़पना राजद का शासन मॉडल है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज अदालत ने लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। तेजस्वी यादव बिहार को बदलना चाहते हैं, जबकि उन पर अदालत ने 420 का आरोप लगाया है... जब आपकी यही छवि है और

अदालत ने आपके खिलाफ यही पाया है, तो आप कौन सा बिहार बनाएंगे?... ब्रिटिश काल में रेलवे के अधीन 2 होटल थे। एक होटल, बीएनआर होटल, रांची, झारखंड में स्थित था। और दूसरा पुरी में था। भाजपा सांसद ने दावा किया कि रेलवे इन होटलों के रखरखाव का काम किसी और को पट्टे पर देना चाहता था... पटना के सुजाता होटल्स को उस आवेदन के लिए योग्य बनाया गया था। केवल एक निविदा सही पाई गई, अन्य को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि होटल के मालिक, कोचर बंधुओं के पास पटना में 3 एकड़ का एक प्लॉट था, जिसकी कीमत 93 करोड़ रुपये थी। इसे प्रेम गुप्ता की पत्नी द्वारा संचालित एक कंपनी को बेच दिया गया था। फिर इसे कम कीमत पर यादव परिवार को बेच दिया गया। 1993 से 2007 तक, तेजस्वी यादव के पास 9 कृषि और 2 गैर-कृषि भूमि, पटना में 1 व्यावसायिक प्लॉट और भोपाल में 1 प्लॉट था।

पीएम मोदी के मंच पर दिखे दो और विधायकों ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में इस्तीफों की झड़ी लग गई है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को एक और बड़ा झटका देते हुए पार्टी के दो और विधायकों नवादा से विभा देवी और रजौली (सुरक्षित) से प्रकाश वीर ने भी अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को सौंप दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे इन दोनों विधायकों ने हाल ही में गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में मंच साझा कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। तभी से इनके राजद से नाता तोड़ने की अटकलों पर लगभग मुहर लग गई थी।

वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

कांग्रेस ने हिमाचल में मजबूत की अपनी जड़ें-सोनिया गांधी

शिमला। एजेंसी

आधुनिक हिमाचल के निर्माता स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और मौजूदा राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को शिमला पहुंचीं। सोमवार को करीब 11.30 के करीब सोनिया गांधी ने स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का आनावरण किया। इस दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू,

रजनी पाटिल, सचिन पायलट, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए। प्रदेशभर से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने आए। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ लोग पहुंचे व नाटी डालते हुए कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस सचिन पायलट ने कहा कि वीरभद्र सिंह हमारे देश के सबसे कद्दावर नेताओं में से एक थे, वे कई बार मुख्यमंत्री रहे, हमने हिमाचल प्रदेश में उनकी विरासत और उनके काम का सम्मान किया है, आज उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है, यह बहुत अच्छा दिन है, हम सभी इसका स्वागत करते हैं। हम उस प्रेरणा को आगे बढ़ाना चाहते हैं जो वीरभद्र सिंह ने न केवल हमारी पार्टी को, बल्कि पूरे देश को दी है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हम राजा वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते हैं और उनकी प्रतिमा स्थापित करने के लिए इतने भव्य आयोजन के लिए हिमाचल सरकार को बधाई देते हैं।

बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार को लगा झटका

आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप तय, चलेगा केस...

पटना/ एजेंसी

आईआरसीटीसी घोटाला में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर राउज और एवेन्यू कोर्ट में आरोप तय होने के मामले पर बिहार में सियासत गरमा गई है। आईआरसीटीसी घोटाले में तेजस्वी यादव ने कहा कि हम इस मामले में लड़ाई लड़ेंगे। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, ऐसे-ऐसे मामले सामने आएंगे। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और इस केस को लड़ेंगे। बिहार की जनता समझदार है, उन्हें सब पता है कि क्या हो रहा है। यह सब राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा दिलाया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, जो ऐतिहासिक रेल मंत्री रहे। उसी व्यक्ति को आज निशाना बनाया जा रहा है। हार्वर्ड और आईआईएम के छात्र लालू जी से मैनेजमेंट सीखने आते थे। उन्हें 'मैनेजमेंट गुरु' कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है। जब तक मैं जिंदा हूं, भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। जदयू के मुख्य प्रवक्ता कहां कि लालू परिवार पर 420 और 120 बी का आरोप लगना स्वाभाविक है। लाल यादव ने अपने बड़े भाई के परिजन को नौकरी दी और फुलवरिया में जमीन बिकवा दिया। और राबड़ी देवी के चाचा के परिवार को नौकरी दिया तो भी जमीन लिखवा ली। नीरज कुमार ने कहा कि यह तो स्वाभाविक प्रक्रिया है यह न्याय हुआ है।

अब लालू परिवार की दुर्गति निश्चित है। एमएलसी नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछा कि अगर आपका नाम पर संपत्ति थी तो अपने इसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया? न्यायपालिका को आप चुनाव से जोड़ रहे हैं तो आपके वकील ने जिरह क्यों नहीं किया? आपके घटक दल के लोग टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन, लेकिन आपने घोटाला करके जितनी संपत्ति अर्जित की उसके बारे में क्यों नहीं बता रहे हैं। आज कोर्ट ने फिर से न्याय किया है। वह भाजपा प्रवक्ता इस देश का कानून सबसे ऊपर है। कोई कितनी बड़ी भी हस्ती हो कानून सबके लिए बराबर है। आज उन पर आरोप भी तय किए गए हैं, वह न्याय हुआ है। बिहार की जनता ऐसे परिवारवादी, वंशवादी, भ्रष्टाचारी परिवार को बिहार में दोबारा सत्ता में नहीं देखना चाहती। हम मांग करते हैं कि उन्हें करी से करी सजा दी जाए। राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए।

क्या है यह घोटाला?

दरअसल, यह मामला रांची और पुरी स्थित दो आईआरसीटीसी होटलों के टेंडर में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। इस मामले में सीबीआई ने साल 2017 में एफ़आईआर दर्ज की थी। आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान आईआरसीटीसी के 2 होटलों के रखरखाव के ठेकों में कथित तौर पर भ्रष्टाचार किया गया। सीबीआई का आरोप है कि ये ठेके विजय और विनय कोचर की फ़र्म सुजाता होटल्स को दिए गए थे, जिसके बदले लालू से जुड़ी एक बेनामी कंपनी के ज़रिए तीन एकड़ कीमती जमीन ली गई थी। इस मामले में सीबीआई ने आईपीसी की धारा 120, 420 और प्रिवेंशन ऑफकरप्शन एक्ट 1988 की धारा 13(2) R/W 13(1)(डी) के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। इस घोटाले में लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 14 लोग आरोपी हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का आज से दो दिवसीय दौरे

प्रभारी मंत्री बनने के बाद सक्ती जिले में प्रथम आगमन पर जगह जगह होगी स्वागत

सक्ती (समय दर्शन)। कौशल विकास व तकनीकि शिक्षा व कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को सक्ती जिले का प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद वे कल से जिले के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं ,प्रभारी मंत्री बनने के बाद जिले के पहले दौरे को लेकर समर्थकों में काफी उत्साह है और जगह जगह स्वागत की तैयारियां की जा रही है , इस दौरान जिले के कई जगहों पर फ्ल , लड्डू व हसौद के प्रसिद्ध पेड़े से तौलकर प्रभारी मंत्री का स्वागत की तैयारियां की जा रही है ,प्रभारी मंत्री इस दौरान जिले के लोगों से मिलकर संवाद के साथ ही लोगों की समस्याओं का समाधान भी करेंगे साथ ही देर शाम जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और रात्रि विश्राम सक्ती रेस्ट हाउस में करेंगे 15 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट में विभागीय बैठक बैठक लेंगे , युवा मंत्री को जिले के प्रभारी बनाए जाने पर जिले के विकास को भी गति मिलेगी , इसलिए पहले दौरे को भव्य बंनाने के लिए समर्थकों द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई है।

योग से श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण होता है – प्राचार्य सिंह

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नाकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के योग विभाग में प्रमाण पत्र वितरण और नव विद्यार्थियों का स्वागत का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अजय कुमार सिंह द्वारा आशीर्वचन में कहा कि योग के विद्यार्थी जीने का तरीका जानते हैं और श्रेष्ठ नागरिक बनते हैं इसके साथ ही अपने स्वास्थ्य को सही रखते हुए दूसरों के स्वास्थ्य को भी सही करते है। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शेषनारायण झा ने कहा कि योग विभाग के विद्यार्थियों के में अभिवादन की शैली प्रभावित करती हैं जिससे आध्यात्मिक स्तर में बढ़ोतरी होती हैं जो हमारे संस्कार को दर्शाती हैं। रसायन विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. अनुपमा कश्यप ने योग करने से तीन रूप का म प्राप्त होना बताया जो तन, मन और धन हैं जिससे हमारे चित्त की शुद्धि होती हैं। संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जनेंद्र कुमार दीवान ने योग के लिए विषय में गागर में सागर भरने वाली बात कही जिसमें उन्होंने आत्मा से परमात्मा का मिलना ही योग हैं कहा। योग विभाग के विभागाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र कुलदीप ने स्वागत भाषण में योग विभाग के उपलब्धियों पर प्रकाश इंगित किया। जिसमें उन्होंने उपलब्धियों के विषय में कहा कि योग विभाग के पूर्व विद्यार्थियों में 1 विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय में,3 विद्यार्थी केंद्रीय विद्यालय में और 20 विद्यार्थी वेलनेस सेंटर में अपनी सेवा दे रहे।सभी विद्यार्थी अपने अपने क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं जिसमें शासकीय नौकरी, व्यवसाय, सांस्कृतिक, खेल, योग इत्यादि शामिल हैं। कार्यक्रम का समापन योग प्राध्यापिका डॉ. नीरा सिंह के आभार से और पूर्व विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण करके किया गया। इस प्रमाण पत्र वितरण और नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत के कार्यक्रम में योग विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश सेन योग विभाग के सहायक रोहित कुमार राजपूत उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्र मोरध्वज ने किया।

टाटा मोटर्स ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ समझौता ज्ञापन किया

मुंबई: भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य कंपनी के संपूर्ण छोटे वाणिज्यिक वाहनों और पिक-अप रेंज, जिसमें हाल ही में लॉन्च किया गया टाटा ऐस प्रो भी शामिल है, की फाइनेंसिंग को और मजबूत बनाना है। यह सहयोग ग्राहकों के लिए वाहन स्वामित्व को और अधिक सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाएगा। इसके तहत उन्हें कम ब्याज दरों, सरल दस्तावेज़ी प्रक्रिया और तेज़ लोन स्वीकृति एवं वितरण की सुविधा मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से नए उद्यमी और छोटे व्यवसायी कम ईएमआई का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय की शुरुआत करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे। उद्योग और कृषि आधारित छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन और पिक-अप लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रायपुर में स्टील फैब्रिकेशन, सीमेंट और एफएमसीजी उद्योगों से बढ़ती मांग ने विश्वसनीय लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट की आवश्यकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

कर्म क्षेत्र में युवा भक्तिकालीन हिंदी साहित्य से प्रेरणा लेकर जीवन सफल बनावे.. डॉ फूलदास महंत

जांजगीर चांपा // समय दर्शन// राधाकृष्ण शिक्षण समिति एवं पंडित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा द्वारा संचालित स्नातकोत्तर हिंदी विभाग द्वारा आज अतिथि व्याख्यान हिंदी साहित्य और भक्ति काल के कवि विषय में रखा गया था। सरस्वती पूजन ,स्वागत के बाद संस्था के संचालक डॉक्टर विनोद अग्रवाल एवं संचालक महोदया डॉ. अन्नपूर्णा अग्रवाल ने भक्तिकालीन साहित्य में सूर साहित्य के प्रभाव को रेखांकित किया, मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में नवीन शासकीय महाविद्यालय सकरी के प्रोफेसर डॉक्टर फूलदास महंत ने साहित्य के उद्देश्य को जनोपयोगी बताया तथा भक्तिकाल में जिन कवियों ,कबीर, जायसी, सूर और तुलसी की गणना की जाती है,उनमें द्वैत,अद्वैत,विशिष्टद्वैत तथा शुद्ध अद्वैत सभी का महत्व जीव मात्र के कल्याण के लिए हुआ है,भारत में जिस समय भक्तिकाल का अभ्युदय हुआ उस समय मुस्लिम संप्रदाय आगे बढ़ रहे थे,अशिक्षित जनता भक्ति के माध्यम से जीवन में शांति की तलाश में थे,उसी समय जैन,बौद्ध,ईसाई और इधर निर्गुण,सगुण, राम मार्गी,कृष्ण मार्गी भक्ति गुरुओं,कवियों के द्वारा जोरों पर था,समाज कल्याण,संस्कृति की रक्षा,सत असत का ज्ञान कराया जा रहा था, ।आज भी युवा छात्र छात्राओं को भक्तिकालीन साहित्य से प्रेरणा लेकर कर्म क्षेत्र को सफल बनाना चाहिए क्योंकि आज मल्टीमीडिया और तनाव ग्रस्त जीवन में हम देख रहे हैं कि युवा वर्ग भी दिशाविहीन होकर सही निर्णय लेने में देरी कर रहा है ,ऐसे में कर्म क्षेत्र को सफल बनाने में भक्ति से शक्ति और विवेक दोनों सही मार्ग की ओर विद्यार्थियों को प्रशस्थ करेंगे।

कार्यक्रम संचालन रजनी साहू ने,स्वागत श्रीमती लक्ष्मीन अगम मानिकपुरी किया,स्वागत यशोदा विभागाध्यक्ष हिंदी ने तथा कार्यक्रम आभार कमल सर ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ,स्टूडेंट्स से सभागार खचाखच भरा था।

संपूर्ण कार्यक्रम संयोजन हिन्दी विषय की सहायक प्राध्यापक श्री मती लक्ष्मीन बाई मानिकपुरी एवं सुश्री यशोदा शांते के द्वारा हुआ।

डभराखुर्द नवधा रामायण भक्ति में जूट रहे हैं श्रद्धालू

बिर्रा (समय दर्शन)। दक्षिणमुखी हनुमान जी की पावनधरा डभराखुर्द में अखंड नवधा रामायण में मानस गायन हेतु दूर दूर से मानस प्रेमी श्रद्धालु शामिल हो रहें हैं।महिला मानस मंडली भी शामिल होकर गायन वादन और प्रवचन कर राम का गुणगान कर रहे हैं।सभी आए हुए मानस प्रेमी श्रद्धालुओं के लिए भोजन और आवास व्यवस्था समीति द्वारा की गई है। आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी बिर्रा वाले प्रतिदिन सुबह-शाम 7 बजे विधिवत पूजन और आरती करा रहें हैं। शामिल मानस मंडलियों का चयन कर चयनित कार्ड दिया जा रहा है और चयनित मानस मंडलियों के बीच 17 अक्टूबर की रात्रि मानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सर्वश्रेष्ठ गायन वादन और प्रवचन पर विशेष पुरस्कारों में 15001,10001,7001,5001,4001,3501, 3101,2501,2001,1501,1001सहित क्रमश: नगद राशि और स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा।इस बीच रंगोली प्रतियोगिता और थाली सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसमें भी नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। आयोजन को लेकर रघुनाथ दास वैष्णव पुरूषोत्तम दास वैष्णव नरोत्तम दास वैष्णव खगेश्वर दास वैष्णव मनहरणलाल पटेल शत्रुघन पटेल शिवनाथ पटेल लखनलाल चंद्रा पन्नालाल पटेल सुदामा प्रसाद चंद्रा नर्मदा पटेल घनश्याम पटेल गंगाराम केंवट महेंद्र कश्यप मोतीराम पटेल सुरेश कुमार साखीराम पटेल रघुनाथ पटेल टीभू चंद्रा कृष्णों कश्यप प्रेमलाल पटेल गोरेलाल पटेल चमरा पटेल उमाशंकर चंद्रा पजेंद्र कुमार रामपाल पटेल सुरेंद्र कश्यप दिनेश कुमार लक्ष्मी कश्यप जैतराम पटेल राजाराम पटेल गौकरण पटेलोटीलाल सहित ग्रामवासी जुटे हुए हैं।

परियोजना स्तरीय राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन बोरिद में हुआ

पाटन (समय दर्शन)। आज दिनांक 13 अक्टूबर को परियोजना स्तरीय राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन एकीकृत बाल विकास परियोजना पाटन के सेक्टर दरबार मोखली के ग्राम बोरिद में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश चंद्राकर जी,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक जी,सरपंच श्रीमती सोनाली वर्मा जी एवं अन्य पंचगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुपोषण रथ के आगमन के साथ हुआ 7 यह सुपोषण रथ गाँव गाँव जाकर महिला एवं बाल विकास के विभिन्न योजनाओ की जानकारी दे रहा है , सरस्वती वंदना से जागरूकता कार्यक्रम का आरम्भ किया गया तत्पश्चात बच्चों के नृत्य प्रस्तुत गए। महिलाओं द्वारा कुपोषण रूपी मटका फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी विजेता श्रीमती जनपद पंचायत अध्यक्ष मैडम रही। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई 6 माह पूर्ण करने वाले बच्चों का अन्नप्राशन किया गया स्वस्थ बालक बालिका प्रतियोगिता अंतर्गत स्वस्थ् बच्चो को सुपोषण टोकरी दी गई। महिलाओं द्वारा व्यंजन प्रदर्शिनी के अवलोकन के पश्चात दिवाली के अवसर पर पोषण माह के उपलक्ष में सूआ नृत्य की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम में पोषण माह के 6 थीम के बारे में परियोजना अधिकारी श्रीमती छाया वर्मा द्वारा विस्तृत व्याख्यान किया गया7उपस्थित जनप्रतिनिधियों में श्री राजेश चंद्राकर ने महिलाओ एवं बच्चो के विकास में पुरुषो की भागीदारी पर विस्तृत चर्चा की तो वही श्रीमती कीर्ति नायक द्वारा मोटापे की बढती समस्या पर अपने विचार प्रसतुत किये गए 7 कार्यक्रम में पर्यवेक्षक श्रीमती झरना दास श्रीमती समता सिंह तिलोत्तमा मोटघरे कंचन, ममता साहू मेघा ,सुनीता ध्रुव उर्वशी देश्लाहरे आदि उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर ने सुनी आमजनों की शिकायत एवं समस्याएं

आज जनदर्शन में कुल 62 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के दुरस्थ स्थलों से आए आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं को सुना। आज जनदर्शन में कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर उपस्थित थे।

जनदर्शन में आज तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी श्री रमाशंकर कटकवार द्वारा राशन कार्ड बनवाने एवं दिव्यांग पेंशन दिलाने, तहसील बलौदा के ग्राम औराईखुर्द निवासी श्री घनेश्वर दास द्वारा बेजा कब्जा हटाने, जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम देवरी निवासी श्री गणपत सूर्यवंशी द्वारा श्री राम लाल दर्शन योजना के तहत लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम पंचायत कटनी (देवरी) निवासी श्रीमती अर्चना बाई द्वारा आवास प्लस में नाम जुड़वाने, तहसील चांपा के ग्राम हथनेवरा निवासी केवल प्रसाद सूर्यवंशी द्वारा सीमांकन करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

व्यवसायिक परिसर आवंटन में पारदर्शिता की माँग पर कांग्रेसियों का धरना

नगर पंचायत पाटन के सामने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, लॉटरी सिस्टम से दुकान बाँटने की माँग

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में व्यवसायिक परिसर (दुकान) आवंटन को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार सुबह 11 बजे से बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता, पार्षद और स्थानीय व्यापारी नगर पंचायत कार्यालय के सामने एकत्र होकर धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत अध्यक्ष और सीएमओ पर मनमानी का आरोप लगाते हुए पारदर्शिता की माँग की। उनका कहना है कि दुकानों का आवंटन बिना किसी निष्पक्ष प्रक्रिया के किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सभी दुकानों का आवंटन लॉटरी सिस्टम के माध्यम से किया जाए, जिससे पात्र हितग्राहियों को न्याय मिल सके। धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष, सीएमओ और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन की सूचना पर एसडीओपी पाटन समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

इस दौरान कांग्रेस पार्षद एवं व्यापारियों ने सीएमओ हेमन्त कुमार को रिट याचिका (रिट पेटिशन) सौंपी, जिसमें दुकान आवंटन प्रक्रिया पर रोक लगाने और इसे पारदर्शी ढंग से पुन: प्रारंभ करने की माँग की गई है।

इसमें प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष आभाष दुबे, पुरुषोत्तम कश्यप , दीपक यादव , गुनिराम कौशिक , गोपाल देवांगन, मनीष देवांगन नीरज सोनी , श्रीकांत देवांगन , कमल किशोर वर्मा, सरजू साहू दिनेश शर्मा युवराज साहू, अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिर्रा मंडल का विजयादशमी पर्व संपन्न

बिर्रा (समय दर्शन)। विजयादशमी पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खण्ड बम्हनीडीह के द्वारा विजयादशमी पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा से निकलकर दीवान मोहल्ला, दाऊ मोहल्ला,बस स्टैंड ,भाटापारा से होते हुए संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 100 वर्ष पूर्ण होने पर सभी मंडलों में विजयादशमी का पर्व मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में बिर्रा मंडल ,खंड बम्हनीडीह का विजयादशमी पर्व सरस्वती शिशु मंदिर बिर्रा में मनाया गया। इस दौरान शस्त्र पूजा का भी कार्यक्रम संपन्न हुआ ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हरिराम जायसवाल जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा जांजगीर चांपा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलाराम भारद्वाज डिप्टी कलेक्टर कोरबा ने किया । मुख्य वक्ता श्री हरिराम जायसवाल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऋस्स बहुत ही पुराना संगठन है। जिसका प्रारंभ सितंबर 1925 में केशवराम, बलिराम, हेडगेवार के द्वारा कुछ स्वयंसेवक के साथ किया गया था। ऋस्स विभिन्न प्रकार के आपदाओं पर सेवा का कार्य करते है। राष्ट्र की सेवा में सदा अपना बहुमूल्य समय देते है। इनके अनेक आनुसांगिक संगठन के माध्यम से देश हित में काम होता है। पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज और देश हित में काम करने की जरूरत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य एक समर्थ राष्ट्र के रूप में भारत को परम वैभव पर ले जाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था। डॉक्टर हेडगेवार ने व्यक्ति निर्माण की एक अनूठी कार्य पद्धति विकसित की जो सनातन परंपराओं और मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण का आधार बनी है। उन्होंने शताब्दी वर्ष को हर वर्ष से अधिक कर्तव्य बोध का विषय बताया। जिसका मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण है। उन्होंने आगे बताया कि संघ का अब समाज में परिवर्तन की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। जिसमें समाज की सज्जन शक्ति को साथ लिया जा रहा है। शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के संकल्प सामाजिक समरसता ,कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों का पालन और स्वदेशी जागरण के साथ अनेक आयोजन कार्य को गति देने के लिए सुनिश्चित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों की सफलता संघ की नित्य शक्ति, संचित शक्ति और समाज की सज्जन शक्ति की सक्रियता एवं संयोजन से मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तुलाराम भारद्वाज डिप्टी कलेक्टर कोरबा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हमारे देश में हर विपरीत परिस्थिति में पीड़ित मानवता का हर संभव सहयोग किया है एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में संघर्ष करने का आरएसएस का इतिहास रहा है संघ का सफर यू, विरोध ,सहयोग और सहभागी की चार अवस्थाओं से गुजरते हुए आज समाज की हर वर्ग तक पहुंच चुका है।

इस अवसर पर मंडल कार्यवाह रामगोपाल तिवारी,खंड कार्यवाह पीतांबर कश्यप,खंड व्यवस्था प्रमुख बुद्धेश्वर कश्यप,मुख्य शिक्षक गौतम कश्यप, संस्कार भारती से मनोज तिवारी,गजाधर श्रीवाश,देव प्रसाद तिवारी,राजेश कश्यप,फूल साय कश्यप,कमलेश गुप्ता,नेतराम कश्यप,ध्रुव कहार,रूपेश कश्यप ,राजेंद्र गिरी गोस्वामी,संतोष कहार,आशीष तिवारी,तुलसी वैष्णव,अवधेश कश्यप,श्रवण कश्यप,नारद कश्यप, मनहरण सोनवानी,सुगंध चंद आदि स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कलेक्टरङ्कडीएफओ कॉन्फ्रेंस : राज्य में वन धन केंद्रों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता

लघु वनोपजों से आत्मनिर्भरता की राह — मुख्यमंत्री साय ने तय किया हरित विकास का रोडमैप

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर-डीएफओ संयुक्त कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के वन प्रबंधन, तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित, लघु वनोपजों के मूल्य संवर्द्धन (वैल्यू एडिशन), ईको-टूरिज्म, औषधीय पौधों की खेती और वनों से जुड़ी आजीविका के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहक हितग्राहियों की संख्या आज 12 लाख से अधिक हो चुकी है, जो हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि हम वन उपज का अधिकतम वैल्यू एडिशन करें। उन्होंने कहा कि राज्य में वन धन केंद्रों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि ग्रामीणों को अधिक आय के साधन मिल सकें और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में अब 46 प्रतिशत वन आवरण हो चुका है, जो लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में कैम्पा योजना और एक पेड़ मां के नाम जैसी अभिनव पहल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कॉन्फ्रेंस में जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि तेंदूपत्ता संग्राहकों को भुगतान सात से पंद्रह दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही भुगतान की जानकारी एसएमएस के माध्यम से सीधे संग्राहकों के मोबाइल पर भेजी जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में बताया गया कि लगभग 15 लाख 60 हजार संग्राहकों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज हो चुकी है और सभी भुगतान बैंक खातों के माध्यम से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्रहण प्रक्रिया के पूर्ण कंप्यूटरीकरण की पहल को और तेज करने के निर्देश दिए।

कॉन्फ्रेंस में औषधीय पौधों की खेती के विस्तार हेतु प्रचार-प्रसार गतिविधियों को बढ़ाने और इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले की सहायता लेने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर जिलों में पिछले सीजन में हुए तेंदूपत्ता संग्रहण की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी सीजन के लिए पूर्व-कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि संग्राहकों को समय पर लाभ मिल सके और किसी प्रकार की देरी न हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लघु वनोपजों को वनांचल क्षेत्रों में आजीविका के प्रमुख साधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। बैठक में लघु वनोपज आधारित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और वन धन केंद्रों को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सके। छत्तीसगढ़ हर्बल और संजीवनी ब्रांड के उत्पादों के प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि इन उत्पादों की बिक्री ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में बढ़ाई जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों के लिए एक मजबूत मार्केट नेटवर्क विकसित हो सके। साथ ही, उत्पादों के जैविक प्रमाणीकरण (Organic Certification) की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने पर बल दिया गया।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि पहली बार वन अधिकारियों की बैठक आयोजित कराने के लिए वे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सभी कलेक्टर और वन अधिकारी समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करें, तो इसके अत्यंत अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर और सरगुजा संभागों में विशेष रूप से ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे आजीविका से जोड़ने के लिए ठोस रणनीति बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अब 75 प्रकार की लघु वनोपजों की खरीदी करने जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

पंजीकृत मज़दूरों को शिक्षा, स्वास्थ्य, औजार सहायता सहित अनेक योजनाओं का लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के श्रमिकों तक निरंतर पहुँचाया जा रहा है। पंजीकृत मज़दूरों को शिक्षा, स्वास्थ्य, औजार सहायता, मातृत्व लाभ, मृत्यु सहायता एवं आवास जैसी अनेक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। इन योजनाओं ने हजारों निर्माण मज़दूरों के जीवन में नया उजाला फैलाया है। शासन की मंशानुरूप प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक परिवार को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा निरंतर शिविर, पंजीयन एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्रों तक पहुँचाया जा रहा है। कलेक्टर महासमुंद के मार्गदर्शन में श्रम कल्याण मंडल महासमुंद द्वारा डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातों में सीधे सहायता राशि प्रदान की गई है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और लाभ समय पर मिले। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि विगत 17 सितम्बर एवं 3 अक्टूबर 2025 को डीबीटी के माध्यम से 14 हजार 788 श्रमिकों के खाते में 4 करोड़ 68 लाख 690 रुपए की राशि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अंतरित की गई।

महासमुंद जिले में श्रम विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण मज़दूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना अंतर्गत 3 हजार 443 श्रमिकों को 51 लाख 64 हजार 500 रुपए की सहायता दी गई है। इसी तरह निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना अंतर्गत 3005 श्रमिकों को 40 लाख 72 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना अंतर्गत 2 हजार 724 श्रमिको को एक करोड़ 89 हजार 6 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना अंतर्गत 2 हजार 629 श्रमिकों को 91 लाख 41 हजार 584 रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 2 हजार 323 श्रमिकों को 44 लाख 10 हजार 500 रुपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत 287 श्रमिकों को 57 लाख 40 हजार रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 150 श्रमिकों को 30 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 108 श्रमिकों को 5 लाख 82 हजार रुपए, मिनीमाता महतारी जतन योजना अंतर्गत 79 श्रमिकों को 15 लाख 80 हजार रुपए सहायता राशि प्रदान की गई।

पोषण भी, पढ़ाई भी - शिक्षा और स्वास्थ्य का अद्भुत संगम

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम ने छत्तीसगढ़ में बाल विकास की दिशा में नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार किया है। यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है। इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास की राह खोली है, बल्कि माताओं, किशोरियों और समुदाय के लोगों में भी जागरूकता की नई लहर उत्पन्न की है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस नवाचारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वस्थ, शिक्षित और आत्मविश्वासी बच्चे ही छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य की नींव हैं। 'पोषण भी, पढ़ाई भी' जैसे कार्यक्रम शिक्षा और स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में प्रेरणादायी कदम हैं।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के मनेन्द्रगढ़ शहरी सेक्टर में एकीकृत बाल विकास परियोजना अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की थीम प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा रही, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक आयु से ही बच्चों में सीखने की प्रवृत्ति, खेल-कूद की समझ और स्वस्थ जीवनशैली की आदतें विकसित करना रहा। सुपरवाइजर मलिा एवं बाल विकास के नेतृत्व में यह आयोजन सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बना। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका ने समर्पण से इस कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में रंगोली, पोस्टर और झांकी के माध्यम से पोषण और शिक्षा के महत्व को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने रंग-बिरंगे चित्रों और गतिविधियों के माध्यम से 'संतुलित आहार', 'साफ-सफाई' और 'खेल-सीख' के संदेश दिए। माताओं और किशोरियों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई।

सुपरवाइजर ने बताया कि जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष के बच्चों के मस्तिष्क विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस आयु में उन्हें पौष्टिक आहार, खेल, कहानी और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर माताओं को सही भोजन के महत्व के बारे में बताया और बच्चों को पौष्टिक खिचड़ी, फल एवं दाल वितरित कर व्यावहारिक सीख दी।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का संदेश - योग से विश्व कल्याण की ओर भारत - राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। न्यू सर्किट हाऊस रायपुर के कन्वेंशन हाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला 2025 में भारतीय संस्कृति, परंपरा और योग की प्राचीन विद्या की अद्भुत झलक देखने को मिली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और वैश्विक समरसता का मार्ग है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम व्यसनमुक्त, स्वस्थ और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने इस आयोजन को एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संगम बताते हुए कहा कि यह कार्यशाला आने वाली पीढ़ियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और स्वास्थ्य के मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य उपहार है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर जीवन में सकारात्मकता लाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' थीम के अनुरूप एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के वैश्विक संकल्प को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। योग के माध्यम से हम न केवल अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण में संतुलन स्थापित कर विश्व कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विविध योगासन, ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से स्वास्थ्य लाभों का अनुभव किया। विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीकों के साथ योग के वैज्ञानिक पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की। अंत में मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने इस सफल कार्यशाला के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती, जहां मां कौशल्या जैसी महान माताएं जन्मीं, वहां से योग और संस्कृति के माध्यम से विश्व को शांति और स्वास्थ्य का संदेश देना गर्व का विषय है।

विश्व गठिया दिवस पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने बताया - समय पर पहचान और समग्र उपचार से जोड़ों को मिल सकती है राहत

रायपुर। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर ने बढ़ते गठिया रोग के मामलों को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर पहचान, जीवनशैली में सुधार और उचित इलाज से जोड़ों की सेहत और गतिशीलता को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।

गठिया क्या है?- रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार एवं आर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख डॉ. पंकज धाबालिया ने बताया,

गठिया केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं है, यह युवाओं और बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। गठिया का मतलब है — जोड़ों में सूजन या उनका क्षरण, जिससे दर्द, अकड़न और सूजन होती है। इसके दो मुख्य प्रकार हैं — ऑस्टियोआर्थराइटिस, जोड़ों के घिस जाने के कारण होता है, और रूमेटॉयड आर्थराइटिस, जो एक ऑटोइम्यून रोग है जिसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली अपने ही जोड़ों पर हमला करती है।

लक्षण पहचानें और समय पर डॉक्टर से मिलें .. रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के चीफ रोबोटिक सर्जन एवं आर्थोप्लास्टी विभाग प्रमुख डॉ. अंकुर सिंगल ने बताया,

गठिया के शुरुआती लक्षणों को पहचानना और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना बेहद जरूरी है, ताकि लंबे समय तक जोड़ों की क्षति को रोका जा सके।

उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को निम्नलिखित समस्याएँ महसूस हों, तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए —

जोड़ों में लगातार दर्द या अकड़न, खासकर सुबह या आराम के बाद

किसी जोड़ में सूजन, लालिमा या गर्माहट

चलने-फिरने या रोज़मर्रा के कार्यों में कठिनाई

जोड़ों में चरमराहट की आवाज़ या अस्थिरता

उन्होंने कहा, अक्सर मरीज शुरुआती दर्द को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। शुरुआती अवस्था में इलाज और फिजियोथेरेपी से जोड़ों की कार्यक्षमता को बनाए रखा जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

गठिया के कारण और जोखिम कारक .. रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के कंसल्टेंट डॉ. प्रतीक धाबालिया ने बताया, गठिया के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि निष्क्रिय जीवनशैली, मोटापा, पारिवारिक इतिहास, बार-बार चोट लगना और बढ़ती उम्र। आजकल ऑफिस में लंबे समय तक बैठने और व्यायाम की कमी के कारण युवा भी प्रारंभिक गठिया के शिकार हो रहे हैं। नियमित व्यायाम और संतुलित वजन बनाए रखना इससे बचाव का सबसे आसान उपाय है।

इलाज और प्रबंधन .. रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के कंसल्टेंट डॉ. ललित जैन, कंसल्टेंट ने बताया,

गठिया का स्थायी इलाज संभव नहीं है, लेकिन आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से इसे पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। उपचार का मुख्य उद्देश्य दर्द कम करना, गतिशीलता बढ़ाना और जोड़ों की क्षति को रोकना होता है।

उन्होंने बताया कि इलाज में दवाइयाँ, फिजियोथेरेपी, जॉइंट इंजेक्शन, और गंभीर मामलों में मिनिमली इनवेसिव या कंप्यूटर-असिस्टेड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी शामिल होती है।

डॉक्टर ने कहा, सही समय पर फिजियोथेरेपी और नियमित एक्सरसाइज से रिकवरी तेज होती है और जोड़ों की लचीलापन वापस आता है।

इस विषय पर डॉ.सुमन कुमार नाग , रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने बताया,

समय पर निदान, जीवनशैली में सुधार और आधुनिक सर्जिकल तकनीकों से गठिया को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अब मरीजों को ऐसी आधुनिक सर्जरी उपलब्ध हैं जिनसे जल्दी रिकवरी होती है, निशान छोटे रहते हैं और लंबे समय तक बेहतर परिणाम मिलते हैं।

जागरूकता के माध्यम से सशक्तिकरण .. विश्व गठिया दिवस पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने 'प्रिवेंशन थ्रू अवेयरनेस' अभियान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य लोगों को सक्रिय रहने, संतुलित आहार अपनाने और जोड़ों में दर्द के शुरुआती संकेतों पर ही विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए प्रेरित करना है।

संक्षिप्त समाचार

खेल हमें बहुत कुछ सिखाता है,खेल से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा : लखन लाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उर्जाधानी कोरबा के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में प्रदेश सरकार के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा दीप प्रज्वलित कर 25वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस दौरान कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, नगर पालिक निगम महापौर कोरबा संजूदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह गौरव की बात है कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के मेजबानी की जिम्मेदारी कोरबा जिले को पुन: मिली है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खेल हमें जीवन मे बहुत कुछ सिखाता है, खेल में हार जीत लगा रहता है, इसमें निराश होने की जरूरत नही है, बल्कि अपनी गलतियों एवं कमियों को सुधार कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा है कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिससे शारीरिक के साथ ही बौद्धिक विकास भी होता है। खेल से हम स्पर्धा, समर्पण, मेहनत और टीम भावना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से अलग अलग क्षेत्रो के लोगों को एक दूसरे की संस्कृति, रीति रिवाजों से परिचित होने व जुड़ने का मौका है। उन्होंने कहा कि आप सभी यहां से एक सुखद यादें एवं अनुभव लेकर जाएंगे जो जीवन पर्यन्त आपके काम आएंगी। मंत्री श्री देवांगन ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप सभी देश का आने वाला कल है। शिक्षा के साथ साथ खेल एवं अन्य विधाओं में आगे बढ़ने का सभी प्रयास करते रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेल भावना के साथ हिस्सा लेने एवं अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। जिससे वे आगे चलकर नेशनल जैसे बड़े प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खेल कौशल दिखा सकें एवं अपने परिवार का नाम रौशन कर सकें।

विधायक कटघोरा श्री पटेल ने कहा कि खेल जीवन के लिए बहुमूल्य है। खेल से व्यक्ति को अपने प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। जीवन मे धैर्य व अनुशासन के साथ कठिन परिश्रम करने से निश्चित ही अच्छा परिणाम मिलता है। इसलिए आप सभी खेल का आनंद ले, अपने बेहतर प्रदर्शन से जीत हासिल करें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने-अपने संभाग का प्रतिनिधित्व करने और ऊर्जा के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी ।शुभारंभ कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन और ध्वजोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के निर्धारित नियमों एवं विधियों का निष्ठापूर्वक पालन करने तथा देश एवं खेल के गौरव के लिए सच्चे खिलाड़ी भावना के साथ भाग लेने की शपथ दिलाई। शुभारंभ अवसर पर छात्र-छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई एवं पांचों संभाग के खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया ।जिला शिक्षा अधिकारी ने खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया साथ ही अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों सभांग बस्तर, दुर्ग, रायपुर, सरगुजा एवं बिलासपुर संभाग के प्रतिभागी शामिल हैं। 12 से 15 अक्टूबर तक चलने वाले चार दिवसीय राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के दो विधा की प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसके अंतर्गत क्रिकेट, तैराकी, हॉकी, व्हॉलीबाल, वाटर पोलो बालक/बालिका प्रतियोगिता शामिल है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मदन राम बने आत्मनिर्भर किसान

रायपुर। ग्रामीण अंचलों में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से आजीविका के नए अवसर खुल रहे हैं, जिससे ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी योजना के तहत अम्बिकापुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कुल्हाड़ी के निवासी मदन राम ने अपने खेत की 30 डिसमिल भूमि का सदुपयोग करते हुए बायोफ्लॉक तकनीक से मछली पालन के लिए तालाब का निर्माण कराया है। यह तालाब पूर्णत: वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिसमें जल की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बायोफ्लॉक शीट, ऑक्सीजन मशीन, सबमर्सिबल पंप और जनरेटर जैसी आधुनिक सुविधाएँ लगाई गई हैं। मदन राम ने बताया कि बायोफ्लॉक तालाब निर्माण पर कुल 14 लाख रुपए की लागत आई, जिसमें से उन्हें 60 प्रतिशत अर्थात 8 लाख 40 हजार रुपए की सब्सिडी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से मछलियों का विकास तेज़ी से होता है और उत्पादन अधिक मिलता है। तालाब को पूरी तरह बायोफ्लॉक शीट से ढंक दिया गया है, जिससे जल की गुणवत्ता एवं तापमान नियंत्रित रहता है और मछलियों की वृद्धि में अनुकूल वातावरण मिलता है। उन्होंने बताया कि योजना की जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्होंने मत्स्य पालन विभाग से संपर्क किया, जहाँ से उन्हें सभी आवश्यक मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता मिली। पहले जहाँ खेती से सीमित आमदनी होती थी, वहीं अब मछली पालन से वे हर वर्ष लगभग दो लाख रुपए की शुद्ध आमदनी की है। मदन राम ने बताया कि पहले मैंने एक बार मछली का बीज डाला था, अब तालाब में मछलियाँ खुद ही बीज तैयार कर रही हैं। इससे मछली पालन की लागत भी कम हो गई है और मुनाफा और बढ़ गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि खेती के मुकाबले मछली पालन में अधिक मुनाफा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनने का सुनहरा अवसर दिया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना- मत्स्य पालन क्षेत्र में नीली क्रांति लाने के लिए शुरू की गई एक योजना है, जिसका उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना, निर्यात को दोगुना करना और रोजगार पैदा करना है। यह योजना मछुआरों और मछली पालकों को बुनियादी ढांचे, उपकरणों और वित्तीय सहायता के माध्यम से मदद करती है, जिसमें आकस्मिक मृत्यु, विकलांगता या अस्पताल में भर्ती होने पर बीमा कवरेज भी शामिल है।

संपादकीय

तालिबान पर यू-टर्न?

यह महत्त्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान संबंधी मास्को फॉर्मेट कंसल्टेशन की बैठक में भारत शामिल हुआ और वहां उभरी एक ऐसी राय से सहमत हुआ, जो स्पष्टत: अमेरिका के खिलाफ है। बैठक में रूस, चीन और पाकिस्तान के प्रतिनिधि भी थे। खबर है कि भारत यात्रा के दौरान अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मोत्ताकी को वह पूरा सम्मान मिलेगा, जो किसी अन्य विदेश मंत्री को प्रोटोकॉल के तहत दिया जाता है। कूटनीतिक हलकों में इसे तालिबान सरकार को भारत की परोक्ष मान्यता के रूप में देखा गया है। इस यात्रा से ठीक पहले हुई एक अन्य घटना से ये राय और मजबूत हुई है। यह महत्त्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान के संबंध में मास्को फॉर्मेट कंसल्टेशन की बैठक में भारत ने भाग लिया और वहां उभरी एक ऐसी राय से सहमत हुआ, जो स्पष्टत: अमेरिका के खिलाफ है। बैठक में रूस, चीन और पाकिस्तान के प्रतिनिधि भी थे। बैठक के बाद जारी साझा बयान में इन देशों ने कहा- 'अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी देशों में अपना सैन्य ढांचा तैनात करने की किसी देश की कोशिश अस्वीकार्य है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को लाभ नहीं होगा।' ध्यानार्थ है कि हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बागराम वायु सेना अड्डे को फिर से अमेरिकी नियंत्रण में लेने का इरादा जताया था। तो साफ है, इस मसले पर भारत की सहमति रूस, चीन और पाकिस्तान के साथ है। रूस तालिबान सरकार को मान्यता दे चुका है। चीन और पाकिस्तान बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत जारी चीन- पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर का विस्तार अफगानिस्तान तक करने का निर्णय लेकर तालिबान से अपने तार जोड़ चुके हैं। जबकि अब तक भारत की राय अलग रही है। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद सितंबर 2021 में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी दी थी कि तालिबान को मान्यता देने में जल्दबाजी न की जाए। जबकि चीन और रूस ने इस मामले में लचीला रुख अपनाया। संभव है कि भारत सरकार को महसूस हुआ हो कि उसके दुविधाग्रस्त रुख के कारण अफगानिस्तान में प्रभाव बनाने की होड़ में वह पिछड़ गई है। इस बीच बदली विश्व परिस्थितियों का असर भी भारत के रुख पर हुआ हो सकता है। मगर सवाल है कि अब रुख परिवर्तन से क्या सचमुच भारत के हित वहां सधेंगे?

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चें

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चें इतनी हो गईं कि अब नमक को हलाल करना मुश्किल हो रहा है। एक बड़े बयान की मधानी ने सारा परिदृश्य बिलोल के रख दिया, तो बात 2017 के बाद 2022 के चुनाव तक की हैसियत और हसरत तक पहुंच गई। हर चुनाव के नायक को सब कुछ मिल जाए, यह भी संभव नहीं और अगर उस राजनीतिक आपदा में सुजानपुर किले की दीवार न गिरी होती, तो आज की भाजपा कहीं और खड़ी होती। अब पार्टी के प्रभारी श्रीकांत शर्मा जी चाहे एकजुटता की कार्यशाला में सार्वजनिक मंचों की बयानबाजी को खारिज करें या हिदायत दें, लेकिन भाजपा के भीतरी विभाजन स्पष्ट हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला की बयानबाजियों पर अगर पार्टी कारण बताओ नोटिस चस्पां करती है, तो यह कांगड़ा की बेचारगी है क्योंकि पिछली तमाम सत्ताओं के बीच डूबे तो यहीं के नेता। इसी भंवर से निकले रमेश धवाला अगर जवाब में सत्य उगल रहे हैं, तो क्या प्रदेशाध्यक्ष इस खाई से पार्टी से ठुकराए गए नेताओं को बचाकर बाहर निकालेंगे। ऐसा भी नहीं है कि जो भाजपा कर रही या करती रही, उससे कहीं उलट कांग्रेस में कोई अंतर है। जनता जानती है कि कांग्रेस में कौन पीछे धकेले गए या भाजपा के भीतर कितने ताज लड़ रहे हैं। कांग्रेस के अध्यायों में वीरभद्र सिंह बनाम आलाकमान भी होता रहा है, नतीजतन पार्टी की लोरियां उनके देहावसान के बाद बदल गईं। यह नई कांग्रेस की पड़ताल जो सत्ता के तीन सालों बाद भी अपना नया प्रदेशाध्यक्ष नहीं खोज पा रही। भाजपा में आलाकमान इतनी शक्तिशाली है कि यहां मुकाबला पार्टी और संघ परिवार के बीच समीकरणों का रहा और रहेगा। यहां बयान भी सहमत हैं और बचाव भी सहमत है। इस घर के भीतर घरवाले और मेहमान भी परेशान हैं। विद्यार्थी परिषद के बागीचे में जितने गुल खिलते रहे, उतने ही सत्ता के पुष्पहार पसंदीदा नेताओं के गले में पड़ते रहे हैं। ऐसे में जिस प्रदेश से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष लंबी पारी खेल रहा हो, वहां आक्रोश और आक्रोश का समाधान, अपनी अनुमतियों की रंगत के बिना तो नहीं ठहर सकता। भाजपा के शिखर और ताज के लिए अभी मैदान खुला है, लेकिन विडंबना यह कि हिमाचल के राजनीतिक फैसले केवल मंडी और हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों में ही होने लगे। यह दीगर है कि कांग्रेस सरकार में सबसे अहम व अधिक मंत्री शिमला संसदीय क्षेत्र से ही बनाए गए और घोषित तौर पर पार्टी अध्यक्ष का पद प्रतिभा सिंह के बाद इसी भूखंड के किसी विधायक या मंत्री को देने की सहमति बन रही है। हिमाचल में इस तरह कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक पिछड़ापन समझा जा सकता है। इसके कई कारण हैं और यह भाजपा-कांग्रेस में एक समान दिखाई दे रहे हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला ने अपने जवाब में जहां जहां अंगुली उठाई है, वहां वहां भाजपा के बीच सक्रिय तंत्र की रणनीति को समझा जा सकता है। कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र का मानस बाकी तीनों से भिन्न इसलिए भी है क्योंकि यहां पृष्ठभूमि, नागरिक समाज और जातीय आधार कांटे पर है। एक समय था जब कांग्रेस इस क्षेत्र से नेताओं की अहमियत को विभिन्न वर्गों से जोडक़र इस निष्कर्ष पर पहुंची कि विभिन्न कल्याण बोर्डों का गठन व उनकी बैठकों के दौर एक परंपरा बन गई। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कबायली यानी गद्दी समुदाय तथा ओबीसी यानी प्रमुखता से चौधरी बिरादरी के साथ जुड़ी राजनीतिक क्षमता को दरकिनार कर, यह पूरा क्षेत्र अपाहिज कर दिया गया। पिछली भाजपा की सत्ता में प्रमुख गद्दी नेता किशन कपूर और ओबीसी समाज से रमेश धवाला से हुआ सुलूक दरअसल, कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के सबसे अधिक प्रभाव की संवेदना को नष्ट कर गया। इतना ही नहीं, पालमपुर विधानसभा में भाजपा की हार का कारण भी त्रिलोक कपूर जैसे गद्दी नेता को खदेडऩा ही रहा। पालमपुर में जिस दिन गद्दी नेता स्वीकार हो गया, उस दिन भाजपा जीत पाएगी, अन्यथा शून्यता के शाप से नेताओं की मंडी यूं ही सजी रह जाएगी। हिमाचल की राजनीति का अहंकार मंडी और हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों की आन बान शान बनने के बावजूद कांगड़ा और शिमला में नहीं समझा गया, तो आइंदा सत्ता के बौने अधिकार हर चरित्र को बौना ही करेंगे। अब हिमाचल में जननायक नहीं, केंद्र की कठपुतलियां नृत्य करेंगी।

बसपा ने फिर दिखाई ताकत, मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी।

बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुन: सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया।उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। जातीय समीकरण साधने के लिए सतीशचंद्र मिश्र के अलावा उमाशंकर सिंह को भी मंच पर जगह दी गई। प्रशंसनीय बात है कि इस रैली की तैयारी बहिन मायावती और उनके कार्यकर्ता बहुत ही शांत व अनुशासित तरीके से कर रहे थे। बसपा व बहिन मायावती अपने वोटर्स के मध्य बहुत समझदारी के साथ संपर्क बनाती हैं और यही कारण है कि उनका वोटबैंक काफी सीमा तक सुरक्षित रहा है; यद्यपि 2017 के बाद जाटव मतदाता में सेंध लग चुकी है जिसे फिर से भरोसा दिलाकर वापस लाना बहिन जी के लिए एक कठिन चुनौती है। लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज़ केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे।

भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है।

सरकार 'शटडाउन' फिर भी अमेरिका चल रहा है!

रजनीश कपूर

महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में शासन का संचालन केवल सरकार की नीतियों या सत्तारूढ़ दल की मंशा पर निर्भर नहीं होता, बल्कि संसदीय सहमति, वित्तीय अनुशासन और संस्थागत संतुलन पर भी निर्भर करता है। हर वर्ष अमेरिका में बजट पारित करने की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली तनातनी उसी लोकतांत्रिक संरचना की जटिलता को उजागर करती है। अमेरिका में जब संसद यानी कांग्रेस बजट या खर्च को मंजूरी नहीं देती, तब सरकार के कई विभागों की कार्यवाही आंशिक या पूर्ण रूप से ठप हो जाती है जिसे 'शटडाउन' कहा जाता है। ऐसे में गैर-जरूरी सेवाओं को बंद करना पड़ता है, कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी दी जाती है और केवल अत्यावश्यक सेवाएँ जैसे सुरक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था सीमित रूप में चलती हैं।

इतिहास बताता है कि अमेरिका में 1976 से अब तक दो दर्जन के करीब शटडाउन हो चुके हैं। कई बार ये केवल एक-दो दिन चले तो कई बार हफ्तों तक। उदाहरण के लिए, 2018-19 का ट्रंप प्रशासनकालीन शटडाउन 35 दिनों तक चला, जो अब तक का सबसे लंबा था। परिणामस्वरूप लाखों कर्मियों का वेतन रुका, संघीय एजेंसियाँ बंद हुईं, आर्थिक वृद्धि दर पर असर पड़ा और निवेशकों का भरोसा डगमगाया। वस्तुत:, जब विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अस्थिर होती है, तो बाकी बाजारों में भी अनिश्चितता फैल जाती है।

भारत में भी संसदीय व्यवस्था है, जहाँ बजट संसद में पारित होता है। किंतु यहाँ 'शटडाउन' जैसी कोई स्थिति संवैधानिक रूप से संभव नहीं है, क्योंकि वित्त विधेयक यानी मनी बिल के पास न होने की स्थिति में सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। दूसरे शब्दों में, यदि वित्त विधेयक पारित नहीं होता तो सरकार तुरंत विश्वास खो देती है और नए चुनाव की घोषणा की जाती है। इसलिए अमेरिका जैसी प्रशासनिक ठहराव की स्थिति भारत में शासन की निरंतरता को पूरी तरह नहीं रोक सकती।

इसके अलावा भारतीय बजटीय प्रणाली अधिक केंद्रीकृत है। राजस्व प्राप्ति, कर निर्धारण और व्यय प्रबंधन की मुख्य शक्ति केंद्र सरकार के पास है। राज्यों को वित्त आयोग और केंद्रीय अनुदान के माध्यम से संसाधन दिए जाते हैं। इस तंत्र में असहमति तो संभव है, लेकिन इसे रोकने के लिए संवैधानिक प्रावधान इतने सशक्त हैं कि पूर्ण सरकारी ठप स्थिति नहीं आती।

फिर भी कल्पना कीजिए कि यदि भारत में किसी कारणवश अमेरिका जैसा 'शटडाउन' लगे तो क्या होगा? सबसे पहले इसके परिणाम सबसे निचले स्तर पर महसूस होंगे; रेलवे, बैंकिंग, डाक, स्वास्थ्य केंद्र, शिक्षा और प्रशासनिक कार्यालयों की सेवाएँ बाधित होंगी। करोड़ों सरकारी कर्मचारी वेतन और पेंशन से वंचित होंगे, जिससे प्रत्यक्ष उपभोग घटेगा और बाजार में तरलता संकट बढ़ेगा। इसके साथ ही औद्योगिक उत्पादन और व्यापार पर भी असर पड़ेगा क्योंकि सरकारी आदेश, अनुबंध और सार्वजनिक निवेश रुक जाएंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की स्थिति तो और भी नाजुक हो जाएगी, क्योंकि कृषि समर्थन मूल्य, मनरेगा और सब्सिडी जैसी योजनाएँ केंद्र की भुगतान प्रक्रिया पर निर्भर हैं।

सरकार चाहे किसी भी दल की हो राजनीतिक रूप से, यह स्थिति भारी अस्थिरता पैदा करेगी। भारतीय जनता के बीच शासन पर से विश्वास उठना शुरू हो जाएगा। विपक्ष इसे सत्तारूढ़ दल की विफलता बताकर जनाक्रोश भड़का सकता है, राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ भारत को अस्थिर अर्थव्यवस्था मान सकती हैं, जिससे पूंजी प्रवाह रुक जाएगा। इस तरह एक 'शटडाउन' भारत की अर्थव्यवस्था को करारा झटका दे सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर बजट पारित न होने पर भी राज्यों या स्थानीय सरकारों की गतिविधियाँ कुछ हद तक जारी रह सकती हैं, क्योंकि उनकी वित्तीय स्वायत्तता अधिक है। वहीं, भारत में अधिकांश योजनाएँ केंद्र पर निर्भर हैं। केंद्र और राज्य दोनों के बीच वित्तीय संसाधनों की साझेदारी स्पष्ट रूप से परिभाषित है। यदि केंद्र की निधि रुक जाए, तो राज्यों के संचालन पर भी असर पड़ेगा। इसलिए किसी काल्पनिक 'भारतीय शटडाउन' का असर अमेरिका के मुकाबले कई गुना व्यापक और गंभीर होगा।

इस तुलना से एक महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

भारत में भी संसदीय गतिरोध, हंगामा, या सत्रों का समय नष्ट होना आम है, परंतु यहाँ बजट अवरुद्ध नहीं हो पाता। हालांकि, यह बात सोचने योग्य है कि यदि भारतीय राजनीतिक दल भी अमेरिकी पद्धति की तरह केवल विरोध के लिए विरोध करने लगें, तो नीति निर्धारण की गति पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत को इस खतरे से बचाने के लिए आवश्यक है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आर्थिक नीति पर सहमति बनाएँ। कार्यपालिका और विपक्ष दोनों राष्ट्र की दीर्घकालिक शक्ति का आधार है।

भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि राजनीतिक विवेक और आर्थिक जिम्मेदारी का सामंजस्य बनाए राष्ट्र संचालन की साझा ज़िम्मेदारी है। यदि इस संतुलन को हमने बनाए रखा, तो अमेरिकी 'शटडाउन' जैसे खतरे कभी भारतीय लोकतंत्र के माथे पर न आएँगे।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

योगेंद्र योगी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान—तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई।

भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए। साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राज़ील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3त्न महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं।

भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर ज़ोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है ङ्क अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्व

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। वास्तु के अनुसार, 8 दिशाएं यानी 4 मुख्य दिशाएं पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण) के साथ चार कोणीय दिशा ईशान कोण(उत्तर-पूर्व),आग्नेय कोण(दक्षिण-पूर्व), नैऋत्य कोण(दक्षिण-पश्चिम),वायव्य कोण(उत्तर-पश्चिम) के आधार पर वास्तु की गणना की जाती है। वास्तु में हर दिशा का विशेष महत्व है। अलग-अलग दिशाओं का संबंध अलग ग्रहों से होता है। मनुष्य के जीवन में सुख-शांति के लिए दिशाओं को ठीक रखना आवश्यक माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु में प्रत्येक दिशा का क्या महत्व है?

पूर्व दिशा :
पूर्व दिशा के स्वामी ग्रह भगवान सूर्य और देवराज इन्द्र माने गए हैं। यह दिशा अच्छे स्वास्थ्य, बुद्धि, धन, सुख-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि गृह-निर्माण में घर के पूर्व दिशा का कुछ स्थान खुला छोड़ देना चाहिए। इस स्थान को नीचा रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा न होने पर घर के मुख्य सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

पश्चिम दिशा :
पश्चिम दिशा के स्वामी ग्रह शनि व वरुणदेव हैं। इस दिशा को मान-सम्मान, सफलता, अच्छे भविष्य और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिशा में गड्ढा,दरार,नीचा या दोषपूर्ण रहने पर मानसित कनाव की स्थिति बन सकती है। कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

उत्तर दिशा :
उत्तर दिशा के स्वामी ग्रह बुध व कुबेर देवता हैं। यह दिशा जीवन में सभी प्रकार के सुख को प्रदान कराती है। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,चिंतन,मनन विद्या,धन के लिए शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा में खाली स्थान छोड़कर गृह निर्माण करने से सभी प्रकार की भौतिक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

दक्षिण दिशा :
दक्षिण दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और यम है। इस दिशा को सफलता, यश, पद-प्रतिष्ठा और धैर्य का प्रतीक माना गया है। पिता के सुख का कारक भी यह दिशा माना जाता है। दक्षिण दिशा को जितना भारी रखेंगे, उतना ही लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

आग्नेय कोण :
वास्तु में आग्नेय कोण के स्वामी ग्रह शुक्र और अग्नि देवता माने गए हैं। इस दिशा का संबंध स्वास्थ्य से होता है। यह दिशा निद्रा व उचित शयन सुख को दर्शाता है। आग्नेय कोण में अंडरग्राउंड टैंक का होना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे स्वास्थ्य खराब रहता है।

नैऋत्य कोण :
इस दिशा के स्वामी राहु और नैऋति नामक राक्षसी है। यह दिशा असुर, बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति या भूत पिशाच की दिशा है। इसलिए वास्तु में इस दिशा को कभी खाली न रखने की सलाह दी जाती है।

वायव्य कोण :
इस दिशा को चंद्रदेव और पवनदेव का वास स्थान माना गया है। यह मित्रता और शत्रुता की ओर संकेत देते हैं। इस दिशा को मानसिक विकास का दिशा माना जाता है। इस दिशा में किसी तरह का दोष होना शत्रुओं की संख्या में वृद्धि का संकेत माना जाता है।

ईशान कोण :
ईशान कोण के स्वामी ग्रह देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,विवेक,धैर्य और साहस का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। इस दिशा को खुला नीचा व निर्माण कार्य कम से कम करवाना चाहिए। इस दिशा के दोष रहित होने पर अध्यात्मिक,मानसिक व आर्थिक संपन्नता आती है। वास्तु के मुताबिक, इस दिशा में शौचालय,सेप्टिक टैंक या डस्टबिन बिल्कु नहीं रखना चाहिए।

इन योगासनों को बनाएं अपने डेली रुटीन का हिस्सा..

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तब तो आप भी इस बात से सहमत होंगे कि दिन का आधे से ज्यादा हिस्सा ऑफिस या ऑफिस से जुड़े कामों में ही बीत जाता है। बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं जो इस बीच अपने लिए थोड़ा सा सेल्फ केयर टाइम निकाल पाते हैं। ऑफिस में घंटों लैपटॉप के सामने बैठकर काम करते रहने का इंपैक्ट हमारे शरीर पर भी साफ देखने को मिलता है। बैठे-बैठे वजन बढ़ जाना, मोटी तोंद निकल आना, कमर और कंधो में दर्द होना और भी बहुत कुछ। ऐसे में समय से पहले ही बुढ़ापा ना आ जाए इसलिए शरीर को कुछ फिजिकल एक्टिविटी की डोज देते रहना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे योगासन बताने वाले हैं जिन्हें आप अपने काम के बीच से ही कुछ समय निकाल कर प्रैक्टिस कर सकते हैं। ये आपकी बॉडी को ओवरऑल हेल्दी रखने में काफी हेल्पफुल साबित होंगे।

रोज थोड़ी देर करें वज्रासन

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ वक्त निकालकर आप वज्रासन ट्राई कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले घुटनों को मोड़कर, पैर के बल बैठ जाएं। इस तरह से बैठते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपके दोनों पैर के अंगूठों के बीच में थोड़ा सा गैप हो और आपकी कमर के ऊपर का हिस्सा बिल्कुल स्ट्रेट हो। अब अपने दोनों हाथों को अपनी जांघों पर रखें और शरीर का पूरा भार पैरों पर छोड़कर दिमाग को रिलैक्स करें। इस आसन को रेगुलर करने से पेट से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक होती हैं, जिसकी वजह से बैठे-बैठे गैस और डाइजेस्टिव इश्यूज नहीं होते।

बहुत आसान और फायदेमंद है ताड़ासन

इस आसन को माउंटेन पोज के नाम से भी जाना जाता है। लगातार एक ही पोजीशन में बैठकर काम करने से रीढ़ की हड्डियां दर्द करने लगती हैं। ऐसे में रीढ़ की हड्डियों को मजबूती देने के लिए और बढ़े हुए पेट की चर्बी कम करने के लिए ताड़ासन बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। इसके बाद हाथों को ऊपर बिलकुल सीधा फैलाकर, दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें। अब अपने पैर की एड़ी को ऊपर उठाते हुए उंगलियों के बल पर खड़े हो जाएं। कुछ देर तक इसी पोजीशन में बने रहें और फिर रिलैक्स मोड में वापस आ जाएं।

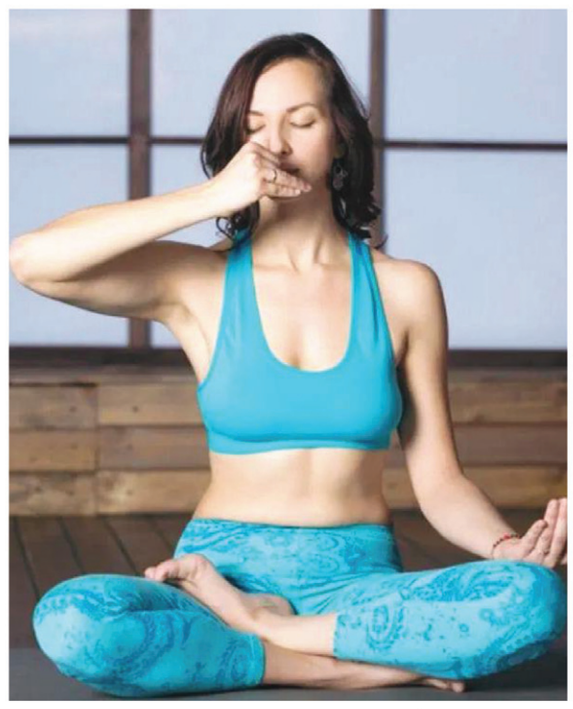

पद्मासन से दूर होंगी ढेर सारी प्रॉब्लम्स

लगातार बैठकर काम करने का सबसे ज्यादा असर बॉडी पोस्चर पर पड़ता है। बॉडी पोस्चर में सुधार लाने के लिए और पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए पद्मासन करना चाहिए। इस आसन को करने से एकाग्रता भी बढ़ती है और पेट भी दुरुस्त रहता है। इसे करने के लिए सबसे बैठ जाएं। अब अपने दाएं पैर को बाएं पैर की जांघ पर रखें और अपने बाएं पैर को दाएं पैर की जांघ पर रखें। अब अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली को अंगूठे की बीच की रेखा पर रखकर हाथों को घुटने पर रखें। अब आंख बंद करके 5 से 10 मिनट के लिए बिल्कुल शांत बैठ जाएं।

दंडासन भी है बेहद फायदेमंद

हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए दंडासन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डियों में भी खिंचाव आता है और साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है। दंडासन करने के लिए सबसे पहले बैठकर, अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को जमीन पर कूल्हे के बगल में रखें। इस आसन को करते समय अपनी पीठ, सिर और गर्दन को बिल्कुल सीधा रखें। इसके बाद अपने पैर की उंगलियों को अपनी तरफ खींचे। इस आसन को करने से आपके शरीर में खिंचाव आएगा। जिससे हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती मिलेगी।

रोज सुबह करें ये काम

दिन भर कंट्रोल में रहेगा ब्लड प्रेशर

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बिगड़ते खान-पान की वजह से ब्लड प्रेशर की बीमारी बहुत आम हो गई है। ब्लड प्रेशर हाई हो या लो, हेल्थ के लिए दोनों ही बहुत खतरनाक हैं। ऊपर से ये बीमारी अकेले भी तो नहीं आती, बल्कि अपने साथ ढेर सारी हेल्थ प्रॉब्लम्स एकदम फ्री लाती है। जब बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं होता तो इसका असर हार्ट और किडनी पर भी पड़ता है। इसके साथ ही इससे मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर हो सकता है। अगर आपको भी ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है, तो आपको अपने रुटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। अगर आप कुछ बातों को अपने डेली मॉर्निंग रुटीन का हिस्सा बना लेते हैं, तो आपको काफी फायदा होगा।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए स्लीपिंग रूटीन को फॉलो करना बहुत जरूरी है। रात में देर से सोना और सुबह देर तक बिस्तर पर पड़े रहना, ब्लड प्रेशर को डिसबैलेंस करने के साथ-साथ कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम की भी वजह बन सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए रात में जल्दी सोना चाहिए और सुबह जल्दी उठना चाहिए। बेहतर होगा कि आप डेली सुबह उठने का एक प्रॉपर टाइम भी फिक्स करें ताकि आपकी बॉडी क्लॉक उससे एडजस्ट हो जाए।

पानी से करें सुबह की शुरुआत
सुबह खाली पेट पानी पीने के कई फायदे हैं। इससे शरीर तो हाइड्रेटेड रहता ही है, साथ ही कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए, सुबह की शुरुआत पानी के साथ करनी चाहिए।
सुबह खाली पेट पानी पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है, पाचन क्रिया सही होती है और शरीर दिन भर हाइड्रेटेड रहता है। कोशिश करें कि फर्श पर मलासन में बैठकर लगभग दो गिलास पानी घूंट-घूंट कर के पीएं। रात भर कॉपर के किसी जग या बॉटल में रखे कॉपर चार्ज वाटर पीने से हेल्थ को और और ज्यादा बेनिफिट्स मिलते हैं।

रूटीन में शामिल करें कोई फिजिकल एक्टिविटी
सिर्फ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए ही नहीं बल्कि शरीर को ओवरऑल फिट रखने के लिए भी अपने डेली रूटीन में किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को जरूर शामिल करें। आप रोजाना सुबह कुछ देर के लिए एक्सरसाइज या योगासन कर सकते हैं।

खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदे

खजूर नैचुरल शुगर से भरपूर होते हैं. इनका इस्तेमाल अक्सर लोग मीठी चीजों में करते हैं. हालांकि कुछ लोग इसे ऐसे भी ही खाते हैं, लेकिन अगर आप इन खजूरों को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे. शहद हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुणों से भी भरपूर होता है. साथ ही, खजूर फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है. ये दोनों ही हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन अगर हम इन दोनों को एक साथ खाएंगे तो कई फायदे मिलेंगे. आइए जानते हैं खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदों के बारे में.

खजूर में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। वजन घटाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने तक इसके कई फायदे हैं, लेकिन जिनका पाचन तंत्र कमजोर है उनके लिए यह कॉम्बिनेशन फायदेमंद है। खजूर को शहद में भिगोकर खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है। कई लोगों को कब्ज की समस्या होती है, लेकिन जिन लोगों को यह समस्या है उनके लिए खजूर को शहद में भिगोकर खाना फायदेमंद होता है।

दरअसल, फाइबर की कमी ही कब्ज का कारण बनती है। ऐसे में खजूर खाने से फाइबर की कमी दूर हो जाती है। साथ ही आपका मेटाबॉलिज्म भी बढ़ेगा। अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको कब्ज की समस्या से राहत मिलेगी।

कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। ऐसे लोग हमेशा किसी न किसी मेडिकल समस्या से पीड़ित रहते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर खांसी, जुकाम और बुखार जैसी कई परेशानियां आती रहती हैं, लेकिन शहद और खजूर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होते हैं। इन दोनों में कई औषधीय गुण हैं। इनमें आयरन के साथ जिंक और विभिन्न विटामिन प्रचुर मात्रा में होते हैं। इनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। कुछ लोगों को चाहे कोई भी मौसम हो खांसी-जुकाम की समस्या हो जाती है, लेकिन ये समस्याएं इतनी जल्दी दूर नहीं होती है। ऐसे लोगों के लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होता है। डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो सर्दी-खांसी जल्दी ठीक हो जाएगी। मौसम बदलने पर खजूर को शहद में भिगोकर जरूर खाएं।

जो लोग मसल्स बनाना चाहते हैं उनके लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होते हैं। अगर आप रोजाना शहद में खजूर भिगोकर खाते हैं तो आपकी मांसपेशियां तेजी से मजबूत होंगी। शहद और खजूर में कैलोरी अधिक होती है। यह मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

शहद और खजूर दोनों ही हमारी त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं। शहद मॉइस्चराइजिंग गुणों से भी भरपूर होता है। यानी यह हमारी त्वचा को अंदर से मुलायम और खूबसूरत बनाता है। खजूर खाने से हमारी त्वचा स्वस्थ रहती है। शहद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाते हैं तो इससे शरीर में सूजन कम हो जाती है। आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा।

चिकित्सा जगत में एक उल्लेखनीय सफलता दर्ज करते हुए ठाणे स्थित हाईलैंड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने न्यूनतम इनवेसिव तकनीक के माध्यम से पाँच ब्रेन ट्यूमर मरीजों की जान बचाई है। इस प्रक्रिया की खासियत यह रही कि डॉक्टरों ने मरीजों की खोपड़ी खोले बिना नाक के रास्ते से ट्यूमर को सफलतापूर्वक बाहर निकाला।
अस्पताल में मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉक्टरों ने बताया कि इन पाँचों मरीजों के लक्षण एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे।

हाईलैंड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने न्यूनतम इनवेसिव तकनीक के माध्यम से पाँच ब्रेन ट्यूमर मरीजों की जान बचाई है। किसी को सिरदर्द और दृष्टि हानि की शिकायत थी, किसी को सुनने में दिक्कत थी, जबकि एक मरीज को हार्मोन से जुड़ी समस्या थी। डॉक्टरों ने कहा कि ऐसे मामलों में लक्षण भ्रामक होने के कारण कई बार मरीज नेत्र विशेषज्ञ या ईएनटी चिकित्सकों के पास बार-बार जाते हैं, लेकिन असली कारण सामने नहीं आता। इन सभी मामलों में सबसे जटिल केस 27 वर्षीय महिला का था, जिसे हर साल तीन बार सर्जरी करवानी पड़ती थी। इस बार हाईलैंड हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने उसकी सर्जरी अत्याधुनिक तकनीक से की, जिसमें न तो खोपड़ी खोली गई और न ही उसे किसी गंभीर रेडिएशन की आवश्यकता पड़ी। यह दुर्लभ मामला डॉक्टरों की टीम के लिए भी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने इसे सफलता से पूरा कर दिखाया। डॉक्टरों के अनुसार, यह तकनीक न केवल कम दर्दनाक है बल्कि मरीज जल्दी स्वस्थ भी हो जाता है। इस सर्जरी के बाद सभी मरीजों की हालत स्थिर है और उन्हें नया जीवन मिला है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इस तरह की न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया अब भविष्य की चिकित्सा पद्धतियों का अहम हिस्सा बनेगी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों के लिए अस्पताल ने दृश्य, फोटो और डॉक्टरों व मरीजों के अनुभव साझा करने की व्यवस्था भी की। इस अवसर पर उपस्थित रही पुष्कला स्कारिया ने मीडिया को आमंत्रित करते हुए कहा कि इस सफलता ने ठाणे शहर को एक नई चिकित्सा दिशा दी है।

सजावट के सामान की खरीदारी करना आसान

यह कितनी कमाल की बात है ना कि कैसे एक छोटा-सा फूलदान ड्राइंग रूम की खूबसूरती को झट से निखार देता है या फिर बेडरूम के एक कोने में रखा इंडोर प्लांट कमरे को अद्भुत सुकून भर देता है। घर के साज-सजावट के लिए उपलब्ध सामानों की खासियत ही यही है कि अगर सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक डेकोरेटिव आइटम ही कमरे की खूबसूरती को निखारने के लिए काफी है। पर, अपने आशियाने के लिए सजावट के सामान की खरीदारी करना इतना आसान काम नहीं है। आपका घर ऐसा होना चाहिए, जिससे आपके व्यक्तित्व की झलक मिले। ऐसे में खरीदारी करने से पहले किन बातों को ध्यान में रखें ताकि सजावटी सामान सालोंसाल आपके घर की खूबसूरती को निखारते रहें।

चुनें टिकाऊ सजावट का सामान

जब चीजें आसानी से उपलब्ध हों, विकल्प ज्यादा हों और कीमत भी बजट के मुताबिक हो, तो खरीदारी से पहले हमें ज्यादा नहीं सोचना पड़ता। घर के सजावटी सामान के मामले में भी ऐसा है। घर की सजावट के छोटे-छोटे सामान हर रेंज में उपलब्ध हैं। ऐसे में हर दो साल में उन्हें बदलने का इरादा रखकर आर्टीफिशियल सामग्री से बनी चीजें खरीदने की जगह थोड़ा-सा ज्यादा पैसा खर्च कर ऑर्गेनिक चीजों से बने डेकोरेटिव आइटम खरीदें। ये न सिर्फ लंबे समय तक घर की खूबसूरती को निखारेंगे बल्कि इनसे प्रकृति को भी कम-से-कम नुकसान पहुंचेगा। घर के सजावट के लिए सामान खरीदते वक्त प्राकृतिक मेटीरियल जैसे बांस व जूट से बने फर्नीचर चुनें। इसके अलावा इन दिनों रैटन और विकर फर्नीचर भी चलन में है। रैटन फर्नीचर बांस जैसा दिखता है, पर यह बांस नहीं होता। इसे बेंत भी कहा जाता है। फर्नीचर के लिए इन सामग्री का चुनाव न सिर्फ उन्हें टिकाऊ बनाता है बल्कि घर की सजावट को खास भी बनाता है। प्राकृतिक फाइबर वाले रग्स, हाथ से बुने हुए बांस आदि की टोकरी आदि को भी घर की सजावट का हिस्सा बनाया जा सकता है। ये सब अपने साधारण-से रूप-रंग की बदौलत आपके घर को एकदम खास बना देंगे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार को बढ़ावा देने आरसीएम द्वारा निकाली गई रथयात्रा आज पहुंचेगी दुर्ग

साइंस कॉलेज ग्राउंड में महापौर अलका बाघमार व गणमान्य नागरिक करेंगे स्वागत

दुर्ग। सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार को बढ़ावा देने आरसीएम व्यवसाय की 25वीं सालगिरह के उपलक्ष्य पर आयोजित रथ यात्रा आज 14 अक्टूबर को दुर्ग शहर में पहुंचेगी। इस अवसर महापौर अलका बाघमार की उपस्थिति में यह रथ यात्रा सुबह 8 बजे साइंस कॉलेज ग्राउंड से पुलिस ट्रेनिंग सेंटर नेशनल हाईवे तक आगे बढ़ेगी। इस दौरान आरसीएम के सेवक बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। इस संबंध में आरसीएम के सेवक अजय कुमार चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत की अग्रणी डायरेक्ट सेलिंग कंपनी आरसीएम की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 100 दिन की रथ यात्रा निकाली गई है। जो पूरे भारतवर्ष में 17000 किलोमीटर का भ्रमण करते हुए 15 अक्टूबर को रायपुर मैं समापन होगा। यह रथ यात्रा मेला ,जागरूकता रैली और सेलिब्रेशन के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के अवसर, आत्मनिर्भर भारत,स्वावलंबन, महिलाओं का सशक्तिकरण एवं नए भारत के निर्माण का संदेशवाहक है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा इस दृष्टिकोण को और मजबूत बनाती है कि आरसीएम केवल एक कंपनी नहीं बल्कि जीवन मूल्यों और जन आधारित से प्रेरित एक अभियान है। वर्ष 2000 से शुरू हुआ यह सफर आज 25 वर्ष पूर्ण कर चुका है इस अभियान में कार्य कर देश के हजारों लोगों ने सफलता की कहानी पोषित की है । ग्रामीण, सेवानिवृत लोगों, बेरोजगार युवाओं को सम्मान के साथ समग्र सफलता प्राप्त करने का इस व्यवसाय के माध्यम से मौका मिला है। इस अभियान के द्वारा समाज में सेवा की संस्कृति, स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य का संदेश पहुंचाया गया। उन्होंने आरसीएम के सेवकों एवं नागरिकों से रथ यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

ग्लोबल वॉइसेज़, वन विज़न' - अपोलो हॉस्पिटल्स द्वारा इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग (आईएचडी) 2026 का आयोजन 30-31 जनवरी 2026 को हैदराबाद में

बिलासपुर। अपोलो हॉस्पिटल्स 30-31 जनवरी 2026 को हैदराबाद में इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग (आईएचडी) के 2026 संस्करण का आयोजन करने जा रहा है, जो मरीज़ों की सुरक्षा, हेल्थकेयर में इनोवेशन एवं सिस्टम में बदलाव को बढ़ावा देने वाले दुनिया के अग्रणी प्लेटफॉर्म्स में से एक है। आईएचडी 2026 का विषय है 'ग्लोबल वॉइसेज़, वन विज़न' जो विचारों, नवाचार एवं नेतृत्व को एक ही लक्ष्य की ओर ले जाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह लक्ष्य है प्रत्यास्थ, मरीज़-उन्मुख एवं टेक्नोलॉजी से इनेबल्ड हेल्थकेयर प्रणाली का निर्माण करना। इस साल का प्रोग्राम तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करेगा: नेतृत्व उन्मुख सुरक्षा मॉडल, मनुष्य पर केंद्रित डिज़ाइन, डिजिटल रूपान्तरण और अस्पताल के संचालन में सिस्टम में उत्कृष्टता, मरीज़ों का अनुभव और चिकित्सकीय परिणाम। डॉ संगीता रेड्डी, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''पिछले सालों के दौरान इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग एक गतिशील विश्वस्तरीय मंच के रूप में उभरा है, जहां चिकित्सक, इनोवेटर्स, नीति निर्माता और प्रचारक, हेल्थकेयर के अगले युग को आयाम देने के लिए इकट्ठा होते हैं। हैदराबाद का संस्करण इसी दृष्टिकोण के साथ एआई, डेटा एवं डिजिटल सिस्टम की क्षमता के साथ-साथ सहानुभूति एवं आपसी सहयोग के मूल्यों को भी एक साथ लेकर आएगा। आईएचडी का आयोजन हेल्थकेयर को पूर्वानुमानित, स्थायी एवं समावेशी बनाने की साझा विश्वस्तरीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां हर इनोवेशन मानवता की सेवा करे और हर साझेदारी स्वस्थ धरती की दिशा में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करे।''

इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग 2026 में चार सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे:

1. आईपीएससी- इंटरनेशनल पेशेंट सेफ्टी कॉन्फ्रेन्स- के दौरान इस विषय पर चर्चा की जाएगी कि किस तरह सक्रिय प्रथाएं और हेल्थकेयर सिस्टम मरीज़ों की सुरक्षा में सुधार ला सकते हैं।
2. एचओपीई- हेल्थकेयर ऑपरेशन्स एंड पेशेंट एक्सपीरिएंस कॉन्फ्रेन्स- के दौरान मरीज़ से जुड़े हर टचपॉइन्ट को बेहतर बनाने के लिए दक्षता, सहानुभूति एवं इनोवेशन के द्वारा संचालन उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
3. टीएचआईटी- ट्रांसफोर्मिंग हेल्थकेयर विद आईटी कॉन्फ्रेन्स- के दौरान दुनिया भर से हेल्थकेयर एवं आईटी के दिग्गज इकट्ठा होंगे तथा उद्योग जगत के नए रूझानों, सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं एवं आधुनिक प्रगति पर विचार प्रस्तुत करेंगे।
4. क्लिनोवेट- ओंकोलोजी, कार्डियोलोजी, महिलाओं के स्वास्थ्य, लोंगेविटी एवं लैबोरेटरी मेडिसिन पर क्लिनिकल सीएमई सीरीज़ - जहां चिकित्सकों एवं शोधकर्ताओं को देश एवं दुनिया भर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिलेगा।

धरने पर बैठे ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जनपद पंचायत पिथौरा के सामने जमकर की नारेबाजी

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरीपाली के ग्रामीण आज जनपद पंचायत पिथौरा कार्यालय के सामने धरने पर बैठे रहे।

उनका आरोप है कि उन्हें जांच प्रतिवेदन सौंपने के नाम पर बार-बार घुमाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें बीते दिन जांच प्रतिवेदन देने के लिए बुलाया गया था, लेकिन अधिकारियों ने फिर टालमटोल का रवैया अपनाया। जिससे नाराज होकर वे धरने पर बैठ गए है।

गौरतलब है कि दिनांक 26 सितंबर 2025 को जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने ग्राम पंचायत डोंगरीपाली का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान पंचायत में हुए कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने भौतिक सत्यापन रिपोर्ट शिकायतकर्ता एम.डी. सागर

को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

शिकायतकर्ता व ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद जनपद सीईओ और जांच अधिकारी अब तक जांच प्रतिवेदन नहीं सौंप रहे हैं।

शिकायतकर्ता सागर ने बताया कि जांच अधिकारी रामनारायण पटेल, गुलाब प्रसाद सामल, डी.एल. बरिहा और जसवंत सिंह पैकरा द्वारा किए गए सत्यापन में भारी अनियमितताएँ उजागर हुई थीं। जांच में यह भी पाया गया कि..

पंचायत सचिव द्वारा करीब 60 लाख रुपये के बिल प्रस्तुत किए गए हैं- जबकि लगभग 2 करोड़ रुपये के बिलों का कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है

साथ ही, साहू इंटरप्राइजेज को किए गए भुगतानों से संबंधित कोई बिल या वाउचर भी उपलब्ध नहीं है।

ग्रामीणों का आरोप है कि जांच अधिकारी पूर्व सरपंच और पंचायत सचिव को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, और शिकायतकर्ता को प्रतिवेदन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जांच रिपोर्ट तत्काल नहीं सौंपी जाती है, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

हॉस्टल पर कब लागू होंगे नियम

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिस तरह बिलासपुर में अलग-अलग कॉलोनीयो में घरों का किराया अलग-अलग है इस तरह हर कॉलोनी में हॉस्टल का रूम रेंट अलग-अलग है। पर एक बात जो पूरे शहर पर लागू है हॉस्टल व्यवसाय कहीं पर नियमों के अंतर्गत नहीं है या यूं कहे की स्मार्ट सिटी हॉस्टल के मामले में भी नियमों से ऊपर है। तिलक नगर चांटापारा क्षेत्र में पोस्ट ऑफिस के पीछे से लेकर हरिभूमि चौराहे तक आधा दर्जन से ज्यादा हॉस्टल हैं इसमें छोटे और बड़े हर किस्म के हॉस्टल हैं। छोटे हॉस्टल को यदि नियमों से छठ मां भी ली जाए तो बड़े हॉस्टल पर तो नियम लागू होने ही चाहिए। असल में हर उसे कॉलोनी में बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल खुले हैं जहां कोचिंग संस्थान काम करती है या व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के कॉलेज हैं। हॉस्टल संचालक के क्षेत्र में राजनीतिक परिवारों ने भी हाथ डाल दिया है इसके पीछे गहरे राज हैं। जिन पर चर्चा बाद में करेंगे पहले एक कमरे में कितने छात्र छात्राएं रहेगी पर नियम होना चाहिए। दूसरा पोस्ट ऑफिस के पीछे से हरिभूमि चौक तक जितने भी हॉस्टल हैं अधिकतर में यह बाध्यता है कि रहने वाला छात्र-छात्राएं वहीं से टिफिन प्राप्त करेगा। करण टिफिन उद्योग में डबल कमाई का स्कोप है। एक बेड आमतौर पर ?2500 में प्राप्त होता है। कुछ हॉस्टल के सबसे बड़ी समस्या प्रधान का छत पर होना एक विशेष बात हॉस्टल की बिल्डिंग में अन्य व्यवसाय भी किए जाते हैं अधिकतर हॉस्टल पंजीकृत नहीं है। पंजीयन इसलिए आवश्यक है कि यहां के बड़े हॉस्टल में तो 50 से ज्यादा छात्र छात्राएं रहते हैं। संबंधित थाने में भी हॉस्टल की कोई अलग सूची नहीं है कहीं इसे हॉस्टल कहीं पीजी के रूप में शो किया जाता है। इसके पीछे टैक्स का मामला है। अधिकतर स्थान पर इमारत का संपत्ति कर में गड़बड़ी है भवन का पंजीयन व्यावसायिक नहीं है।

किरंदुल की आर कृतिका रायपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सोलो डांस प्रतियोगिता में रहीं प्रथम

आर कृतिका 'बाल नृत्य कला श्रेष्ठ' की उपाधि से हुई सम्मानित

किरंदुल (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन नित्याथी कलाक्षेत्रम और नवीन संगीत कॉलेज के सहयोग से नृत्य,संगीत और वाद्ययंत्र की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 और नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार 2025, रायपुर के रंग मंदिर में 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित की गई। 9 दिन चलने वाले इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किरंदुल शहर की 5 साल की आर. कृतिका ने सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृतिका के पिता आर मनमध राव एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के 11 सी / डाउनहिल में इलेक्ट्रिक विभाग में कार्यरत है। आर कृतिका ने नृत्य शिक्षा नेपाल मल्लिक से प्राप्त किया है। अपने गुरु नेपाल मल्लिक के मार्गदर्शन में इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आर कृतिका ने हिस्सा लिया था। और 10 अक्टूबर को इस भव्य मंच पर माईनर श्रेणी में सोलो प्रदर्शन किया था जिससे कृतिका ने सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही 5 वर्षीय आर कृतिका को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बाल नृत्य कला श्रेष्ठ की उपाधि से सम्मानित किया गया। कला की बारीकियों से परिपूर्ण इस होनहार बच्ची ने दो महीने पहले ही रायपुर में आयोजित झूम तराना महोत्सव में सब जूनियर केटेगरी में भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त कर नगर के साथ दंतेवाड़ा जिले का नाम रोशन किया था।

अभाविप की नगरीय कार्यकारिणी घोषित, अक्षत श्रीवास्तव फिर बने नगर मंत्री

राजनांदगांव। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की राजनांदगांव इकाई की नवीन नगरीय कार्यकारिणी की घोषणा उत्साहपूर्वक की गई। कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, जोश और संगठन के प्रति समर्पण का भाव देखने को मिला।

नगर मंत्री के रूप में अक्षत श्रीवास्तव को पुन: जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि निकिता श्रीरंगे, प्रतीक गढ़वाल और भूपेंद्र पाल को नगर सहमंत्री नियुक्त किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखते ही बनता था।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रांत सह मंत्री अमन नामदेव, प्रांत साविष्कार सह प्रमुख चांदना श्रीवास्तव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धनंजय पांडेय और जिला संयोजक जीत प्रजापति उपस्थित रहे। संचालन नगर सहमंत्री निकिता श्रीरंगें ने किया।

नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि, अभाविप केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक विचार है, जो विद्यार्थियों में राष्ट्रभाव,

सेवा और नेतृत्व की भावना को जागृत करता है। हमने बीते सत्र में कई शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया है, और आगे भी पूरी ऊर्जा के साथ विद्यार्थी हित में कार्य करेंगे।

प्रांत सह मंत्री अमन नामदेव ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि, अभाविप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। संगठन नई पीढ़ी को संस्कारित नेतृत्व प्रदान करता है। राजनांदगांव नगर की यह नई टीम संगठन के कार्यों को नई दिशा देगी।

प्रांत साविष्कार सह प्रमुख चांदना श्रीवास्तव ने कहा कि, अभाविप युवाओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना को निखारने वाला मंच है। युवाओं की सक्रियता इस बात का संकेत है कि राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

कार्यक्रम के अंत में सहमंत्री प्रतीक गढ़वाल ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

सौंपे गए दायित्व-नगर कार्यकारिणी में नगर महाविद्यालय प्रमुख-जीत शर्मा, सह प्रमुख आदित्य-वेनुका, स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट प्रमुख-कुलदीप, सह प्रमुख-अंशराज भाटिया, स्टूडेंट्स फॉर सेवा प्रमुख- चैतन्य त्रिवेदी, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख- युक्ता मांडवी, सह प्रमुख- प्रिया, नगर विद्यालय प्रमुख- दिव्य द्विवेदी, सह प्रमुख- प्रतीक्षा वर्मा, सोशल मीडिया प्रमुख- यश श्रीवास्तव, सह प्रमुख- ओजस उइके को दायित्व सौंपे गये है।

पूरे आयोजन में कार्यकर्ताओं का अनुशासन, उत्साह और समर्पण अभाविप की सशक्त कार्यसंस्कृति का प्रतीक रहा।

कमला कॉलेज में समाजशास्त्र परिषद् का गठन, चंचल सोनवानी बनीं अध्यक्ष

राजनांदगांव। शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में विगत दिनों समाजशास्त्र परिषद् का गठन किया गया। परिषद् में एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. चंचल सोनवानी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, कु. पुनम साहू (एमए प्रथम सेमेस्टर) उपाध्यक्ष, कु. निशा (एमए तृतीय सेमेस्टर) सचिव, कु. आरती (एमए प्रथम सेमेस्टर) सहसचिव, कु. उमेश्वरी एवं कु. संजना महतो को क्रमश: सांस्कृतिक सचिव एवं साहित्यिक सचिव नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कु. इन्द्राणी वर्मा, ललिता वर्मा, रवीना दवांगन (सभी एमए तृतीय सेमेस्टर) तथा पारबती और प्रीति साहू (दोनों एमएएए प्रथम सेमेस्टर) का चयन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओंकार ताल श्रीवास्तव ने छात्राओं को

समाजशास्त्र विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए मानवीय मूल्यों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष सुश्री आबेदा बेगम एवं समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ. उपा सोनवानी ने परिषद् के गठन पर छात्राओं को बधाई दी। डॉ. सोनवानी ने कहा कि समाजशास्त्र विषय के माध्यम से छात्राएं समाज की विविध परंपराओं, मूल्यों एवं सांस्कृतिक पहलुओं को समझ सकेंगी।

इस आयोजन में गृहविज्ञान विभाग की डॉ. अर्चना खरे एवं अर्थशास्त्र विभाग के योगेन्द्र कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। परिषद् पदाधिकारियों का परिचय एवं स्वागत समारोह संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. शारदा साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जनभागीदारी व्याख्याता कु. गीता साहू ने किया। कार्यक्रम में एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

राजनांदगांव जिला अध्यक्ष चयन पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा

कार्यकर्ताओं का आरोप, पैसे के बल पर नियुक्ति, पार्टी के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन

आप पार्टी की तय प्रक्रिया को दरकिनार कर हुआ मनोनयन

राजनांदगांव। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष के मनोनयन को लेकर पूरे जिले में घमासान मच गया है। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संगठन के पदाधिकारी पर नियम तोड़कर पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर मनमाने ढंग से जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त करने का गंभीर आरोप लगाया है, उनका कहना है कि केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के चयन प्रक्रिया को राजनांदगांव में पूरी तरह से नजर अंदाज किया गया है।

जानकारी के अनुसार कोर कमेटी के द्वारा जो नाम पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी को लिखित में जिले के कमेटी के सदस्यों का हस्ताक्षर कर कर सर्वसम्मति से लिए गए नाम को अनदेखा कर प्रदेश के संगठन के पदाधिकारी ने पैसे के बल पर कुछ महीने पूर्व पार्टी में शामिल हुए व्यक्ति को जिला अध्यक्ष बना दिया गया है। जिले के आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफबताते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यदि इस निर्णय को प्रदेश के पदाधिकारी द्वारा वापस नहीं लिया गया, तो जिले के बहुत से कार्य करता पार्टी छोड़ने मजबूर हो जाएंगे। कार्यकर्ताओं ने दो टूक कहा कि बिना परीक्षा बैठे फर्स्ट डिवीजन से पास होना अब आम बात हो गई है।

कभी दिल्ली की गलियों से उठी ईमानदारी की आवाज, जिसने आम आदमी के सपनों को परवाज दी थी, वही पार्टी आज छत्तीसगढ़ में अपने ही सिद्धांतों से भटकती नजर आ रही है। लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली आप का बदलता रूप अब निराशा का कारण बन गया है। पार्टी, जो भ्रष्टाचार और पूंजीवाद के खिलाफ बनी थी, उसी पर अब पूंजीपतियों की छाया हावी हो रही है।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, खासकर दुर्ग संभाग में पार्टी की कमान कुछ प्रदेश के पदाधिकारी अब चंद धनाढ्य पूंजीपतियों के हाथों में केंद्रित हो गई है। यहां पार्टी का स्वरूप जमीनी कार्यकर्ताओं और आम जनता की बजाय उन लोगों की ओर झुकता दिख रहा है, जिनके पास धन और प्रभाव है। इससे संगठन के निचले स्तर पर हताशा और नाराजगी का माहौल है।

राजनांदगांव, बेमेतरा, कवर्धा, बालोद जिले में सबसे बड़ा सवाल पदाधिकारियों के चयन को लेकर खड़ा हो रहा है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मेहनतकश और जमीनी लोगों को दरकिनार कर, केवल आर्थिक ताकत और रसूख वाले लोगों को अहम जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। यही वजह है कि संगठन की साख सवालों के घेरे में है और पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लग रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर एक बड़ा खेमा असंतोष से भर दिया है। खबरें हैं कि यह खेमा अब राष्ट्रीय नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के लिए संगठन स्तर पर दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। यदि यह शिकायत राष्ट्रीय स्तर तक जाती है तो छत्तीसगढ़ इकाई में बड़ा भूचाल आ सकता है। आम आदमी पार्टी, जिसने छत्तीसगढ़ में भी उम्मीद की राजनीति का वादा किया था, उसके बदलते स्वरूप ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों दोनों को हताश किया है। जनता अब सवाल पूछ रही है, क्या यह वही पार्टी है, जिसने कभी भ्रष्टाचार और पूंजीवाद को चुनौती दी थी? या फिर छत्तीसगढ़ में आप भी उन दलों की कतार में खड़ी हो गई है, जिनकी दिशा और दशा पूंजी के इर्द-गिर्द घूमती है।

खबर-खास

सैमसंग ने 'एआई फॉर ऑल; विज़न के साथ इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व किया

गुरुग्राम। भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने एआई फॉर ऑल विज़न के माध्यम से लोगों के जीने, जुड़ने और नवाचार करने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रहा है। इनोवेट टु ट्रांसफॉर्म थीम के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएमसी में सैमसंग का प्रदर्शन एआई-पावर्ड लिविंग और स्थायी कनेक्टिविटी के भविष्य को साकार करता है।
सैमसंग के बूथ को उपभोक्ताओं और सभी प्रतिष्ठित दिग्गजों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिनमें श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री पेम्मासानी चंद्रशेखर, संचार राज्य मंत्री और श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री शामिल थीं। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और उत्तर प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने प्रदर्शित किए गए अत्याधुनिक समाधानों का अनुभव लिया। गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने किया, जिन्होंने सैमसंग के नए एआई-पावर्ड इनोवेशंस का प्रदर्शन किया। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने कहा, इंडिया मोबाइल कांग्रेस नवाचार और जीवन को बदलने की तकनीक की शक्ति का उत्सव है। सैमसंग में, हम इस भावना को गहराई से साझा करते हैं। हमारा 'एआई फॉर ऑल' विज़न हमारे विश्वास को दर्शाता है कि एआई को पूरे भारत में हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय को सशक्त बनाना चाहिए।

राष्ट्रीय पोषण माह 2025 अंतर्गत कार्यशाला का हुआ आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा के मार्गदर्शन में आज शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय करही, मुंगेली में राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय मुंगेली से श्रीमती शैल बाला सोनकर द्वारा किशोर बालक-बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि घर में उपलब्ध दाल, सब्जी, दूध एवं फलों के संतुलित उपयोग से शरीर को सम्पूर्ण पोषण मिल सकता है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुश्री प्राची सिंह ने भी विद्यार्थियों को अपने दैनिक आहार में स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती अंजुलता शुक्ला ने जंक फूड से होने वाले नुकसान एवं संतुलित आहार के लाभों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, शिक्षण स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस वॉलीबॉल फाइनल, E-30 पैंथर ने मैनपुर डिवीजन को हराया

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस जवानों में खेल भावना और टीम स्पिरिट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित गरियाबंद पुलिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता सोमवार को अपने चरम पर पहुंची।रोमांचक फाइनल मुकाबले में श्व-30 पैंथर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैनपुर डिवीजन को हराकर विजेता का ताज अपने नाम किया।फाइनल मैच बेस्ट ऑफ 5 सेट के आधार पर खेला गया,जिसमें दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। पहले दो सेट में श्व-30 पैंथर ने बढ़त बनाई,जबकि मैनपुर डिवीजन ने अगले दो सेट जीतकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। निर्णायक सेट में जबरदस्त संघर्ष के बाद श्व-30 पैंथर ने 15 अंकों के खेल में 2 अंकों से जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया।

फाइनल मुकाबला पहले बारिश की वजह से दो बार टल गया था,जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों में बेसब्री बढ़ गई थी।आखिरकार सोमवार को मुकाबला शुरू होते ही मैदान में जोश और रोमांच का माहौल छा गया। दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों का उत्साह खिलाड़ियों के जोश से कम नहीं था।

कप्तान मनोज भगत की अगुवाई में श्व-30 पैंथर की टीम ने शानदार

तालमेल और सटीक रणनीति के दम पर जीत दर्ज की,जबकि रवि सिन्हा के नेतृत्व में मैनपुर डिवीजन ने भी दमदार खेल दिखाते हुए मुकाबले को अंत तक जीवित रखा। हर रैली पर तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से पूरा मैदान गूंजता रहा।

इस प्रतियोगिता में पुलिस विभाग की कुल 9 टीमें — वारियर,हंटर,तेजस,फाइटर, एसटीएफ/सीएफ मैनपुर,नवागढ़ और श्व-30 पैंथर शामिल थीं। हर टीम ने अपने खेल और अनुशासन से प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।विजेता श्व-30 पैंथर को ?10,000 नगद पुरस्कार और सील्ड मैडल प्रदान किया गया।उपविजेता मैनपुर डिवीजन को ?7,000 नगद व मैडल,जबकि तीसरे स्थान पर रही श्व-30 फाइटर को ?5,000 नगद पुरस्कार मैडल और सील्ड दिया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे आर.आई सनत ठाकुर,थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव,कान्हा क्लब के कोच जी.डी.उपासने,पार्षद छगन यादव,विजय सिन्हा,ललित साहू,इमरान मेमन,प्रहलाद यादव और कार्तिक यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी हौसला बढ़ाया।इस प्रतियोगिता की शुरुआत पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा की पहल पर हुई थी।खेलों के प्रति उनकी रुचि और फिट पुलिस फोर्स की सोच ने पूरे जिले में नई ऊर्जा भर दी है।उन्होंने कहा, खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम है,बल्कि यह अनुशासन,एकता और टीम भावना को भी मजबूत करता है।हमारे जवानों में यही जज़्बा गरियाबंद पुलिस की असली ताकत है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा को मिली बिहार में सोनपुर विधानसभा प्रभारी की बड़ी जिम्मेदारी

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। आगामी 6 और 11 नवम्बर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में भावना बोहरा को जिला एवं लोकसभा क्षेत्र सारण अंतर्गत सोनपुर विधानसभा क्रमांक 122 के विधानसभा प्रवासी प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। जिम्मेदारी मिलते ही वे बिहार पहुंच गई हैं।

रविवार को विधायक भावना पटना प्रदेश भाजपा कार्यालय एवं सारण जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल हुईं और चुनावी चर्चा में सहभागिता की। इस जिम्मेदारी के लिए विधायक भावना बोहरा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। विदित हो कि 2024 में झारखण्ड में हुए विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में भी भावना बोहरा को प्रवासी प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया, लगातार क्षेत्र में दौरा कर जनता से मिली, भाजपा की नीतियों और प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यों, जनहित की योजनाओं एवं भाजपा के विकासवाद का प्रचार-प्रसार किया गया।

भावना बोहरा ने कहा कि मुझे भाजपा के

शीर्ष नेतृत्व द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव में प्रभारी के रूप में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपा जाना अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रदेश नेतृत्व और समस्त वरिष्ठ नेताओं का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। पार्टी द्वारा जिस विश्वास से मुझे यह दायित्व सौंपा गया है उसके प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए मैं पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करुँगी। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 एनडीए के लिए ऐतिहासिक विजय का चुनाव होगा। सोनपुर चुनाव में 14 नवंबर को वोटों की गिनती के माध्यम से बिहार की जनता एक बार फिर एनडीए सरकार को पूर्ण बहुमत प्रदान करेगी। बिहार में एनडीए की सरकार आने के बाद से हुए अभूतपूर्व बदलाव, राज्य के विकास और योजनाओं से जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे पीएम आवास, आयुष्मान भारत और किसान सम्मान निधि ने बिहार के हर घर तक पहुंच बनाई है, जबकि विपक्षी महागठबंधन केवल नकारात्मक राजनीति कर रही है। एक समय था जब बिहार में सड़कें गड्ढों से भरी थीं, बिजली एक सपना था, और कानून-व्यवस्था का नामोनिशान नहीं था केवल जंगलराज था। लेकिन एनडीए की सरकार आने के बाद से हर गांव गांव में बिजली, शौचालय, पीएम आवास, आयुष्मान भारत योजना से मुफ्त और बेहतर इलाज, किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

भावना बोहरा ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिहार को 62 हजार करोड़ रुपए की सौगात दी जिसमें युवाओं के स्किल डेवलपमेंट, रोजगार एवं बिहार के विकास को मुख्य रूप से केन्द्रित किया गया। उन्होने कहा कि हमें विश्वास है कि जनता आगामी चुनाव में फिर से बिहार के विकास और सुशासन के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए नकारात्मक और भ्रष्टाचार की राजनीति करने वाली विपक्षी पार्टियों को नकार कर एनडीए की सरकार बनाएगी।

सहकारी समिति कर्मचारी की बैठक संपन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ रायपुर पंजीयन क्रमांक 6685 एवं छत्तीसगढ़ धान खरीदी संविदा ऑपरेटर महासंघ रायपुर की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रायपुर में संयुक्त रूप से संपन्न हुआ।लंबीत तीन सूत्रीय मांगों सहित धान खरीदी ऑपरेटर संविदा कर्मचारी महासंघ रायपुर की एक मांग धान खरीदी नीति वर्ष 24,,25 कंडिका 11.3,3 में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कंप्यूटर ऑपरेटर की नियोजन में रोक लगाते हुए विभाग तय कर नियमित किया जावे,, सहित चार मांगों को लेकर सहकारिता विभाग की दो मांग,खाद्य विभाग की दो मांग को लेकर सड़क की लड़ाई लड़ने के लिए सभी ने अपनी सहमति दिया है।जिसमें लंबित मांगों की पूर्ति हेतु निम्न अनुसार आंदोलन के रूपरेखा तैयार सर्व सम्मती से दोनों संगठनों का किया गया है।24 अक्टुबर को जिला स्तरीय ज्ञापन रैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न मंत्रियों को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करना 28 अक्टुबर को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न मंत्रियों को इक दिवसीय माहा ज्ञापन रैली का आयोजन करना प्रदेश स्तरीय प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का कॉन्फ्रेंस करना 3 नवम्बर से 11 नवम्बर 2025 तक संभाग स्तरीय अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ करने के पश्चात 12 नवम्बर से प्रदेश स्तरीय धरना, स्थल तुता नया रायपुर में किया जाना सर्व सम्मति से प्रस्तावित कर निर्णय लिया गया है।

गन्ना भुगतान के लिए 10 महीने से इंतजार कर रहे किसानों का सब्र न देखे सरकार- रवि चंद्रवंशी

किसान कांग्रेस ने घेरा पंडरिया एसडीएम आफिस, पुलिस के साथ जोरदार झूमा झटकी

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया क्षेत्र सहित पूरे जिले में गन्ना प्रमुख फसल के रूप में लिया जाता है, जिसके लिए जिले में 2 शासकीय शक्कर कारखाना व लगभग 400 से अधिक गुड़ फैक्ट्रियां संचालित हैं। एक ओर जहां गुड़ फैक्ट्री संचालकों द्वारा गन्ना बेचने के तुरंत बाद किसानों को नगदी में भुगतान कर दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर सहकारी शक्कर कारखाने की हालत ऐसी हो चुकी है कि गन्ना बेचने के 10 महीने बीत जाने बाद भी आज तक किसान अपने भुगतान का इन्तजार कर रहे है। इस बीच विपक्षी दलों व किसान संघो के द्वारा कई बार कारखाना घेराव, चक्का जाम, आंदोलन किया गया है पर किसानों के जेब अभी भी खाली है। माह भर बाद नया पेराई सत्र नजदीक है। इसे देखते हुए सोमवार को जिला किसान कांग्रेस के नेतृत्व में हजारों किसानों ने आम सभा आयोजित करने के बाद पंडरिया एसडीएम आफिस का

घेराव कर गन्ने की भुगतान सहित राजस्व के मामलों में सुधार की मांग के साथ 9 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा है।

किसान कांग्रेस के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में किसान शामिल हुए जहाँ किसानों के प्रतिनिधि के रूप में छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, संगठन महामंत्री अकील हुसैन, कांग्रेस जिला अध्यक्ष होरी साहू सहित प्रदेश व जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को आड़े हाथ लिया।

किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा कि आज पंडरिया क्षेत्र के गन्ना किसानों की स्थिति देखकर मन मे बहुत ही पीड़ा हो रही है कि कैसे यहाँ के किसान अपने ही उत्पादन का मूल्य पाने के लिए पिछले 10 महीनों से भटक रहे हैं। किसानों की स्थिति भाजपा की विष्णु देव साय सरकार में बहुत ही दयनीय हो चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी 10 दिनों में यदि गन्ने का पूर्ण भुगतान नहीं हुआ तो रायपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर अपना अधिकार लेंगे।

जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष किसान नेता रवि चंद्रवंशी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं एक किसान का बेटा हूं। किसानों का दु:ख मेरा दु:ख, आज जिस तरह से हम किसानों को गन्ने के भुगतान के लिए भटकाया जा रहा है, राजस्व कार्यालयो में छोटे से संसोधन के नाम पर पेशी के ऊपर पेशी दिया जा रहा है, बिजली बिल कई गुना बढ़कर आ रहा है यह सब वर्तमान भाजपा सरकार की विफलता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना : सौखीराम के खुद के पक्के मकान का सपना हुआ साकार

आमजनों को मिल रहा सुरक्षित आवास, स्वच्छता, और सामाजिक सम्मान

मुंगेली(समय दर्शन) प्रधानमंत्री आवास योजना पक्के मकान के उन सपनों को साकार करती है जो अक्सर अभाव के साये में दबे रह जाते हैं। इस योजना ने जिले के हजारों जरूरतमंद परिवारों के पक्के मकान के सपने को पूरा किया है। योजना के तहत जिले में अब तक 67 हजार 300 से अधिक आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है, जिससे आमजनों को सुरक्षित आवास, स्वच्छता, और सामाजिक सम्मान जैसे मूलभूत अधिकार सुलभ हो सके हैं, जिससे शासन की मंशा ''सबका साथ, सबका विकास के अनुरूप आमजनों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो रहा है। इसी कड़ी में मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम पदमपुर के श्री सौखीराम नट ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना

अंतर्गत उनका परिवार एक सुंदर, मजबूत और सुरक्षित पक्के घर में रह रहा है, जहां उन्हें न केवल मौसम की मार से राहत मिली है, बल्कि जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का नया अध्याय भी जुड़ गया है। उन्होंने बताया कि घर को पक्का बनाने की चाह तो थी, पर साधन नहीं थे। हर बरसात में टपकती छत और मिट्टी की दीवारों को संभालना बहुत कठिन हो जाता था। वे वर्षों से मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रोज़ की दिहाड़ी से घर का खर्च चलाना ही बड़ी बात थी, ऐसे में पक्का मकान बनाना उनके लिए एक दूर का सपना जैसा था। सौखीराम ने बताया कि उनका परिवार वर्षों से कच्चे और जर्जर मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा था। हर वर्ष बरसात में टपकती छत और भीगती दीवारें, उनका स्थायी दु:ख बन चुकी थीं, लेकिन वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उन्हें स्वीकृत आवास ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। यह योजना सिर्फ एक सरकारी सुविधा नहीं, बल्कि जीवन को सम्मान और सुरक्षा देने वाला वरदान बन गई है। उन्होंने कहा कि पक्के घर में जो सुख है, वह पहले कभी महसूस नहीं हुआ। शासन ने हम जैसे ग्रामीण परिवारों के लिए जो किया, वह अमूल्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

नाम परिवर्तन

मैं महेश प्रजापति उम्र 39 वर्ष पिता दुबेनी प्रजापति निवासी:- वार्ड नं. 16 भाठागांव जिला धमतरी छ.ग. का निवासी हूं, मेरी पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड में उसका नाम हेमा प्रजापति (HEMA PRAJAPATI) पिता महेश प्रजापति (MAHESH PRAJAPATI) अंकित है।

मेरी पुत्री के अंकसूची, शाला स्थानांतरण प्रमाण एवं दाखिला पंजी में पुत्री का नाम कु. माधुरी प्रजापति तथा कुछ शैक्षणिक दस्तावेजों में पुत्री का नाम MADHURI PRAJAPATI अंकित है। मेरी पुत्री के सही व वास्तविक नाम माधुरी प्रजापति (MADHURI PRAJAPATI) पिता महेश प्रजापति (MAHESH PRAJAPATI) के नाम से गजट प्रकाशन करवाने इसी आधार पर मेरी पुत्री के आधार कार्ड अंकसूची, दाखिला पंजी, एवं दस्तावेजो में अंकित करवाने बाबत् आवश्यक दस्तावेज श्रीमान सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

वर्ष 2024-25

निवासी एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका, तिलक साहू पिता/पति चुम्मन लाल साहू निवासी मतवारी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा तिलक साहू/ चुम्मनलाल साहू की जन्म / मृत्यु दिनांक 08/12/1996 को हो जाने पर जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएवं उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना . हो तो नियत पेशी दिनांक 23/10/25 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/10/25 को यह उ?द्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ: जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00019
दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध
प्रकरण क्रमांक-. आर डी
202526430103900010

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी प्रभाबाई ध.प. बुधराम मेश्राम पिता/पति-पता-दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1277/44(0.0120) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पुखराज मेश्राम पिता/पति-बुधराम मेश्राम पता-वार्डनं.-10 शंकरनगर दुर्ग, विश्वकर्मा मेश्राम पिता/पति-बुधराम मेश्राम पता-वार्डनं.- 10 शंकरनगर दुर्ग, बुधराम मेश्राम पिता/पति-स्व. मानिक मेश्राम पता-वार्डनं.- 10 शंकरनगर दुर्ग के नाम पर पंजीयन फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 31/10/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालयतहसीलदारदुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/10/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ. ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)।

ईश्तहार

प्र0क्र0 202510100600008 अ-2
वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती दशमत बाई साहू पिता/पति श्री शिवकुमार साहू, निवासी कबीर चौक गोकुल नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- अमलेश्वर प.ह.न. 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 360/9 रकबा 0.0222 हे. भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वय या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 15/10/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद

// निविदा आमंत्रण सूचना //

कमांक- 5546 /व.ले.लि./NIT- 09 /2025-26/बालोद दिनांक :- 10.10.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 23/10/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 30/10/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 31/10/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटीक्र. निविदा क्र.	कार्यका नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में) अमानत राशि बैंक सार्टवेंसी
1	2	3
09 T0048	लो .नि. वि. अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	10.00 7500.00 150000.00

नियम व शर्तें :-

1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति 5) निविदाकारों की श्रेणी "द" से "अ" निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750.00 एवं कार्य की अवधि "02" माह होगी।

G-252604106/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद
संभाग बालोद

संक्षिप्त-खबर

शिक्षक के साथ साइबर ठगी : लोन क्लोज करने के नाम पर उड़ाए 70 हजार रुपये अपराध दर्ज

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांर्गत के ग्राम सराईपतेरा निवासी एवं शासकीय हाईस्कूल बडेटेमरी में पदस्थ व्याख्याता कौशिक कुमार सामल के साथ ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। शिक्षक के मोबाइल पर लोन क्लोज करने का झांसा देकर अज्ञात ठगों ने 70,000 रुपये की साइबर धोखाधड़ी की।

घटना दिनांक 07 अक्टूबर 2025 की है। शिक्षक कौशिक सामल अपने विद्यालय में ड्यूटी पर थे, तभी उनके मोबाइल नंबर पर एक व्यक्ति ने कॉल कर स्वयं को बैंक से संबंधित बताते हुए कहा कि उनके एसबीआई लोन को क्लोज किया जा सकता है। इसके बाद ठग ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक लिंक भेजा और जानकारी मांगी। शिक्षक ने केवल अपना नाम और मोबाइल नंबर साझा किया, लेकिन कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से दो ट्रांजेक्शन में क्रमश: ?50,000 और 20,000 की राशि निकाल ली गई। इस प्रकार कुल 70,000 की साइबर ठगी की गई ।

पीड़ित शिक्षक ने बताया कि उन्होंने किसी प्रकार का ओटीपी या बैंक से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा नहीं की थी, फिर भी ठगों ने तकनीकी तरीके से रकम उड़ा ली। घटना के तुरंत बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत दर्ज कराई।शिकायत के Acknowledgement नंबर 3331 और 2331 हैं इस संबंध में पीड़ित द्वारा थाना बसना में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

पीड़ित ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी के मोबाइल नंबर से 361 रुपये का रिचार्ज ओटीपी ट्रांजेक्शन भी दर्ज हुआ है, जो जांच का एक महत्वपूर्ण सुराग हो सकता है। कौशिक कुमार सामल ने पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया है कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर निकाली गई राशि वापस दिलाई जाए।प्रकरण की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक, जिला महासमुंद को भी भेजी गई है।

राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप बागबाहरा में 16 अक्टूबर को

महासमुंद (समय दर्शन)। 25 वीं राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद तथा जिला तीरंदाजी संघ, बागबाहरा महासमुंद के तत्वाधान में दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को मिनी स्टेडियम सुनसुनिया बागबाहरा जिला महासमुंद में आयोजित किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप की मेजबानी इस वर्ष पुनः जिला तीरंदाजी संघ महासमुंद को मिली है। आयोजन की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में जिले के खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, जिला तीरंदाजी संघ महासमुंद अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, अरविंद छाबड़ा, पुनेंद्र चंद्राकर, सोमनाथ साहू, रिंकल बग्गा, मुकेश वेगड़, संजय पटेल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। खेल मैदान, खेल उपकरणों की उपलब्धता, जिलों के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों, मैनेजर हेतु आवास ,भोजन, आवागमन की सुविधा, आयोजन स्थल मिनी स्टेडियम बागबाहरा, टाऊन हॉल व आवास भवन आदि हेतु प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण संघ के पदाधिकारियों द्वारा तैयारी किया जा चुका हैं।

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में तीरंदाजी के तीनों विधाओं इंडियन राउंड, रिकर्व एवं कंपाउंड राउंड को शामिल किया गया है, जिसमें प्रदेश भर जिले से जिसमें बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, दंतेवाड़ा, जशपुर, बालोद, खैरागढ़, राजनांदगांव, शक्ति, कोरबा, बीजापुर, सरगुजा, जगदलपुर, गरियाबंद, कोंडागांव, रायगढ़, महासमुंद जिले एवं खेलो इंडिया सेंटर, साईं सेंटर के जूनियर बालक एवं बालिका तीरंदाज शामिल होंगे। महासमुंद जिले के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा जिसमें खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग महासमुंद एवं बॉल आश्रम बिहाझर बागबाहरा के खिलाड़ी शामिल होंगे।

राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप बागबाहरा को लेकर आयोजक एवं नगर में काफी उत्साह हैं।

नैला- पहरिया सड़क की बदहाली खत्म, समाजसेवी जितेंद्र अग्रवाल ने उठाया सुधार का बीड़ा

300 मीटर सड़क को कराया समतल शहर में हो रही प्रयासों की सराहना.....

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। गड्ढों से भरी नैला-सरखों, पहरिया मार्ग के 300 मीटर के खस्ताहाल सड़क को भरने का जिम्मा शहर के समाजसेवी जितेन्द्र अग्रवाल ने उठाया और इस सड़क को आवागमन के लिए बनवाया। उनके इस प्रयास की सराहना हो रही है। बताते चलें कि 300 मीटर की यह सड़क इतनी खस्ताहाल थी कि यहां वाहनों का तो दूर पैदल चल पाना मुश्किल था। त्योहारों के सीजन में लंबा जाम इसमे लगता रहा है। ऐसे में सड़क की खस्ताहाली दूर करने के इस प्रयास की सराहना हो रही है।

हमेशा बना रहता था दुर्घटना का खतरा..... रेलवे फाटक नैला के उस पार की सड़क जो

सरखों पहरिया होते हुए कोरबा जाने वाली सड़क का लगभग 300 मीटर बदहाल थी। सड़क में 3 फीट के गड्ढों में पैदल चलना हिम्मत का काम था। सैकड़ो मोटर साइकिल, कार, ट्रक, ट्रेलर इस दयनीय मार्ग से गुजरते थे। दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता था।

सड़क सुधरी, लोगों ने लिया राहत की सास..... जिसको चलने लायक बनाने के लिए गड्ढों को भरने का बीड़ा शहर के समाजसेवी एवं श्री अग्रसेन सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र जीत्तू अग्रवाल ने उठाया। जिससे आवागमन में सरलता हुई और दुर्घटनाओं का खतरा कम हुआ।

शास उच्च माध्य शाला छिबर्रा में नि:शुल्क साइकिल वितरण

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम छिबर्रा मे आयोजित नि:शुल्क साइकिल वितरण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष उषा पुरूषोत्तम धृतलहरे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ब्रम्हानंद पटेल विशिष्ट अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी , जनपद सदस्य पुरषोत्तम घृतलहरे सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम घृतलहरे ने सरस्वती साइकिल प्राप्त करने वाले बच्चो को बधाई देते हुए कहा कि, हमारी सरकार बेटियों का भविष्य मजबूत करने

अनेक उपक्रमों, योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसमें नि:शुल्क सरस्वती सायकिल योजना ग्रामीण इलाके के बहन बेटियों के शिक्षा के क्षेत्र में आ रही बाधा को दूर करने का सफल प्रयास है।

उन्होने विद्यालय के सभी बच्चों से अपील किया कि,पूरा फेकस पढ़ाई में दें और अच्छा मुकाम हासिल करें,,इससे माता पिता,गुरू के साथ गाँव और क्षेत्र का भी नाम रौशन करें ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल ने भी बधाई देते हुवे कहा की आप सभी बच्चे प्रदेश व देश का भविष्य हैं,, आप सब पूरी तन्मयता के साथ शिक्षा ग्रहण कर मोदी जी के सपने को साकार करने व्यक्ति निर्माण देश निर्माण की परिकल्पना को साकार करने श्रेष्ट भूमिका अदा करें, स्वयं के साथ देश का भी नाम रौशन करें । विशेष अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों की शिक्षा को मजबूत करने में विशेष प्रयास कर रही है सरस्वती साइकिल योजनांतर्गत के माध्यम से बेटियों की शिक्षा के बीच की दूरी को कम करने का सफल प्रयास कर रही है ।

बेटियों के भविष्य निर्माण की दिशा मे प्रदेश की विष्णुदेव साय जी की संवेदनशील सरकार शिक्षा के लोकव्यापीकरण से लेकर सबके भविष्य की चिंता करते हुए सतत नेक कार्य कर रही है। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय परिवार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने 'बिल्डथान' सशक्त माध्यम

महासमुन्द (समय दर्शन)। विद्यालयीन बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए शासन अनेक योजना व रचनात्मक पहल के साथ बच्चों का ख्याल रख रही है।

Buildathon" का अर्थ 'बिल्ड-थॉन' है, जो नवाचार और रचनात्मकता के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता या अभियान है, जैसे 'विकसित भारत बिल्डथॉन'। यह एक 'हैकथॉन' की तरह है, जहाँ छात्र और नवप्रवर्तक किसी समस्या का समाधान करने के लिए मिलकर प्रोटोटाइप बनाते हैं, डिज़ाइन करते हैं और विकसित करते हैं। यह प्रतियोगिता छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जाती है।

मतलब: यह एक तरह की 'इनोवेशन मैराथन' है जिसमें प्रतिभागी मिलकर कोई समाधान या प्रोटोटाइप तैयार करते हैं।

उद्देश्य: छात्रों में नवाचार, तार्किक सोच और उद्यमिता की भावना विकसित करना।

उदाहरण: 'विकसित भारत बिल्डथॉन 2025' छात्रों को आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस कार्यक्रम में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बेलसोंडा जिला

महासमुंद छत्तीसगढ़ के दो छात्राओं का राज्य से चयन नेशनल बिल्ड थान कार्यक्रम के लिए हुआ है जिसमें देश भर के छात्र छात्राओं से कल दिनांक 13 /10 /25 को 10.00 बजे से 12.00 तक माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री माननीय धर्मेन्द्र प्रधान वर्चुअल बात करेंगे । जिसके तहत महासमुन्द के दो होनहार बेटियों का चयन किया गया है,जो देश के यशस्वी प्रधान मंत्री एवं केन्द्रिय शिक्षा मंत्री से वर्चुअल बात करेंगे,इन दोनों छात्राओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ ।

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15-16 अक्टूबर कोकमरौद, झलप एवं सरायपाली में

महासमुन्द (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 3 चरण में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में संकुल स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में ग्रामीण 25 एवं शहरी 05 कुल 30 संकुल में आयोजित किया जा रहा है। विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में संकुल के विजेता टीम एवं विजेता खिलाड़ी अपने-अपने विधानसभा में शामिल होंगे। सांसद खेल महोत्सव में सामूहिक खेलों के लिए आयु वर्ग 14 से 19 वर्ष एवं 19 से 24 वर्ष तथा व्यक्तिगत खेलों के लिए आयु वर्ग 14 से 17 वर्ष, 18 से 20 वर्ष एवं 21 से 24 वर्ष के बालक एवं बालिका शामिल होंगे। सामूहिक खेलों में खो-खो, कबड्डी एवं बॉलीबॉल तथा व्यक्तिगत खेलों में 100 मीटर दौंड, 400 मीटर दौंड, गोलाफेंक, भालाफेंक, लंबीकूद, ऊंचीकूद, गेड़ी दौड़ संकुल स्तर पर आयोजित होंगे। आयोजन की तैयारियों के विषय में सांसद लोकसभा महासमुंद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी की उपस्थिति में आयोजित बैठक में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुन्द हेमंत नंदनवार, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे को आयोजन को सफल बनाने में प्रशासनिक आवश्यकताओं को लेकर तीनों चरणों के आयोजन को सफल बनाया जाना है, जिनके माध्यम से आयोजन में आवश्यक संसाधन, पुरस्कार, प्रमाण-पत्र, परिवहन, भोजन, आवश्यक सामग्री एवं संपूर्ण व्यवस्था पर चर्चा कर आयोजन को सफल बनाया जा रहा हैं।

संकुल स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15 से 16 अक्टूबर को 3 स्थानों में आयोजित होंगे। जिसमें नगर पालिका परिषद सरायपाली का आयोजन खेल मैदान सरायपाली में होगा। जिसमें शहरी क्षेत्र के पंजीकृत खिलाड़ी शामिल होंगे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमरौद बागबाहरा में आयोजित होगा, जिसमें कमरौद संकुल के अंतर्गत शामिल ग्राम पंचायत एवं विद्यालय के खिलाड़ी शामिल होंगे। झलप संकुल का आयोजन शासकीय मिडिल स्कूल झलप महासमुन्द में किया जाएगा। जिसमें संकुल अंतर्गत शामिल ग्राम पंचायत एवं विद्यालय के पंजीकृत खिलाड़ी शामिल होंगे। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने संकुल नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत महासमुंद एवं बागबाहरा तथा नगर पालिका परिषद सरायपाली को आयोजन की तैयारी कर आयोजन को सफल बनाने हेतु निर्देश दिए हैं। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली, बागबाहरा एवं महासमुंद को आवश्यक तैयारी हेतु संबंधित विभागों शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, उद्यानिकी आदि से समन्वय करने कहा गया है। आयोजन में अतिथि सांसद महासमुंद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि, अधिकारी शामिल होंगे।

'शोसल मिडिया के युग मे मोबाइल नेटवर्क के बिना जिंदगी अधूरी'

सम्पूर्ण बसना क्षेत्र सहित कायतपाली में संचार सेवा में क्रांतिकारी बदलाव की मांग

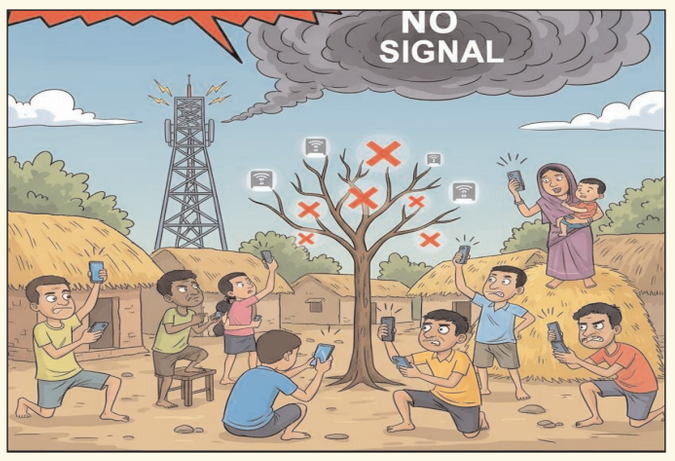

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांर्गत मे मोबाईल नेटवर्क के धीमी चाल ने चिंता मे डाल दिया है। आज के युग की बहुप्रतिक्षित शोसल मिडिया के युग की तीव्रगामी मांग है कि,नेटवर्क बेहतर होगा तभी आज के युग के सभी कार्य सरलता से संपादित होंगे।

बसना सहित ग्राम कायतपाली के हजारों मोबाइल यूजर्स लंबे समय से नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं।

राज्य सरकार की योजनाएं और आदि कर्म योगी सेवा अभियान के बावजूद, ग्रामीण क्षेत्र में नेटवर्क की कमी ने कई कार्यों मे रूकावट की स्थिति बनी हुई है।

क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा ने ग्रामीण क्षेत्रों के इस ज्वलंत मुद्दे को स्थानीय स्तर पर शासन के विभाग के समक्ष यह मुद्दा लगातार उठाया गया है,म।

लेकिन आज भी ठोस समाधान नहीं हुआ है। युवा श्रवण सिदार और समाजसेवी ज्योती बारिक ने भी कई बार शिकायत की, पर नेटवर्क मे कोई भी आमूल-चूल सुधार नहीं हो पाया है। ग्रामीण चाहते हैं कि जल्द से जल्द नेटवर्क उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे डिजिटल दुनिया से जुड़ सकें और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकें।

जिला स्तरीय गांधी शिल्प बाजार का भव्य शुभारंभ,हस्तनिर्मित स्वदेशी उत्पाद बना आकर्षण का केंद्र

दुर्ग (समय दर्शन)। हस्तनिर्मित स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय अंतर्गत कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के मार्गदर्शन और नगरी प्रगति तकनीति सेवा संस्थान द्वारा गोंडवाना भवन सिविललाइन कसारीडीह में जिला स्तरीय गांधी शिल्प बाजार का भव्य आयोजन किया गया है। गांधी शिल्प बाजार का रविवार को मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य खादी ग्रामोंद्योग बोर्ड अध्यक्ष राकेश पांडेय और विशेष अतिथि महापौर अलका बाघमार ने शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हस्तशिल्प के सहायक निदेशक मनोज राठी,

एमआईसी सदस्य शशि साहू, ओम सत्यम जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जिला स्तरीय गांधी शिल्प बाजार में देश के कोने-कोने से आए कारीगरों की अनोखी कलाकृतियां लोगों को खासा आकर्षित कर रही है। पारंपरिक हस्तशिल्प, बांस बेंत की वस्तुएं, कपड़ा कला, मिट्टी के बर्तन और जूट उत्पादों से सजे स्टॉल

स्वदेशी संस्कृति की समृद्ध झलक पेश कर रहे हैं। यह आयोजन स्वदेशी वस्तुओं के प्रोत्साहन और स्थानीय कारीगरों को मंच प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल से स्थापित ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से इन उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है बल्कि हमारी भारतीय सांस्कृतिक विरासत भी नई ऊंचाइयों को छू रही है। शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय ने कहा कि गांधी शिल्प बाजार जैसे आयोजन हमारे देश की परंपरा और कला को जीवित रखने का माध्यम हैं। यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कारीगरों की मेहनत और हमारी संस्कृति का उत्सव है। महापौर अलका बाघमार ने गांधी शिल्प बाजार में लोगों से बढ़कर शामिल होकर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने जमकर खरीदी करने की अपील की है। हस्तशिल्प सहायक निदेशक मनोज राठी ने स्वागत भाषण में गांधी शिल्प बाजार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह मेला 18 अक्टूबर तक चलेगा। ग्राहक सुबह 11 से रात्रि 10 बजे तक मेला का अवलोकन और स्वदेशी उत्पादों की खरीदी कर सकते हैं। कार्यक्रम में नागरिकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर कारीगरों का उत्साह बढ़ाया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-28